www.mumbaitarang.com
RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-48 ❖ मुंबई ❖ रविवार 22 से 28 नवंबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

अपनों पर भी उतना ही विश्वास रखो जितना दवाईयों पर रखते हो.!!

जय श्री राम
Yogi 8156045100   Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

पेज 3
हम अखंड भारत में यकीन रखते हैं, एक दिन कराची भी हिंदुस्तान में होगा - देवेंद्र फडणवीस

पेज 5
नोएडा में अब शादियों में सिर्फ 100 लोग होंगे शामिल, नया आदेश

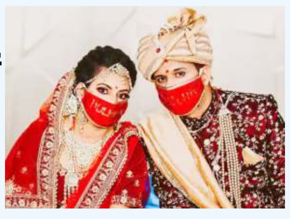

पेज 7
प्रभुदेवा ने फिल्मी दुनिया से बाहर की लड़की से रचाई दूसरी शादी

पेज 8
गुजरात के पूर्व सीनियर सिविल जज की बेटी चांदनी वेगड़ बतौर गायिका फिल्म में

कुछ दिनों के लिए बंद हो सकती है दिल्ली- मुंबई हवाई और रेल सेवाएं

मुंबई। प्रदेश सरकार दिल्ली- मुंबई और दिल्ली- महाराष्ट्र की हवाई तथा रेल सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करने पर विचार कर रही है। प्रदेश के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने शनिवार को यह जानकारी दी। पत्रकारों से बातचीत में देशमुख ने कहा कि दिल्ली में बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है। दिल्ली से मुंबई, पुणे, नागपुर जैसे शहरों के लिए बड़े पैमाने पर विमान और रेल सेवाएं हैं। इसलिए सरकार इन सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करने का विचार कर रही है।

वहीं मुंबई मनपा की महापौर किशोरी पेडणेकर ने राज्य सरकार से 15 दिनों के लिए मुंबई में आने वाली लंबी दूरी की गाड़ियों पर रोक लगाने की मांग की है। पेडणेकर ने कहा कि सरकार को कम से कम 15 दिनों के लिए मुंबई में आने वाली रेल गाड़ियों पर रोक लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली, अहमदाबाद और सूरत से बड़े पैमाने पर लोग मुंबई में आ रहे हैं। दिल्ली और गुजरात में कोरोना की स्थिति खराब है। ऐसे में हमें सावधानी बरतना पड़ेगा। पेडणेकर ने कहा कि हमें उम्मीद है कि मुंबई में दोबारा लॉकडाउन लगाने की नौबत नहीं आएगी। फिर भी मुंबई मनपा प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

टोपे की चेतावनी, हल्के में न लें- बहुत मंहगी पड़ेगी कोरोना की दूसरी लहर

मुंबई। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर सभी लोगों को बहुत महंगी पड़ेगी। इसलिए हमें प्रयास करना चाहिए कि राज्य में कोरोना की दूसरी लहर न आने पाए। शुक्रवार को रत्नागिरी में टोपे ने कहा कि मुंबई में कोरोना के मरीजों की संख्या थोड़ी-थोड़ी ही बढ़ रही है। फिर भी मुझे मन में डर लग रहा है। टोपे ने कहा कि लोगों को कोरोना महामारी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। सभी लोगों को स्वंयम अनुशासन का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें दिल्ली और केरल से सीख लेना चाहिए जहां पर कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। टोपे ने कहा कि दिल्ली में लोग मास्क का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन नहीं करते हैं। राज्य में ऐसा नहीं होना चाहिए। टोपे ने कहा कि सरकार ने लगभग सभी गतिविधियों को दोबारा शुरू करने की अनुमति दे दी है। राज्य में सभी लोगों को व्यवसाय शुरू हो जाए। इस दृष्टि से सरकार ने फैसला लिया है।

गुजरात में स्कूलों का खुलना टला, अहमदाबाद में रात का कर्फ्यू

गांधीनगर, गुजरात सरकार ने राज्य में कोरोना के मामले बढ़ते देख स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों को फिर से खोलने के निर्णय पर यू-टर्न ले लिया है।

साथ ही सरकार ने राज्य की वित्तीय राजधानी अहमदाबाद में रात 9 बजे से सुबह 6 बजे तक रात का कर्फ्यू लगाने का भी फैसला किया है। राज्य सरकार ने गुरुवार की रात को कहा कि स्कूल और कॉलेजों को फिर से खोलने के फैसले को स्थगित कर दिया गया है।

बता दें कि दिवाली के त्योहार के बाद विशेषकर अहमदाबाद में कोरोनावायरस मामलों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लिहाजा सरकार ने 11 नवंबर को विचार-विमर्श करके 23 नवंबर से स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को फिर से खोलने का फैसला करते हुए इस संबंध में निर्देश भी दे दिए थे।

शिक्षा मंत्री भूपेन्द्र सिंह चूडास्मा ने पहले चरणबद्ध तरीके से शिक्षा संस्थानों को खोलने की बात कही थी। साथ ही ऑनलाइन ऐजुकेशन जारी रखने के भी निर्देश दिए थे। हालांकि प्राथमिक स्कूलों को फिर से खोलने पर कोई निर्णय नहीं हुआ था। सरकार ने कहा था कि वह 11 नवंबर के फैसले के कार्यान्वयन पर प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने के बाद आगे निर्णय करेगी।

भारती सिंह और उनके पति हर्ष ने स्वीकार की गांजा लेने की बात, एनसीबी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। कॉमेडियन भारती सिंह के घर से गांजा बरामद होने के बाद उनको और उनके पति हर्ष को एनसीबी ने गिरफ्तार कर लिया है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बताया है कि भारती सिंह के ऑफिस और घर पर छापा मारा गया, दोनों जगहों से 86.5 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। भारती और उनके पति हर्ष लिंबाचिया ने गांजे का सेवन करने की बात भी स्वीकार कर ली है।

जिसके बाद एनसीबी ने भारती सिंह और हर्ष को गिरफ्तारी कर लिया गया है। हर्ष भी हो सकते हैं गिरफ्तार बॉलीवुड ड्रग्स मामले में एक पैडलर से पूछताछ में भारती और हर्ष का नाम सामने आने के बाद एनसीबी ने दोनों के घरों और दफ्तरों में शनिवार को रेड की। जिसके बाद एनसीबी हर्ष को अपनी ही गाड़ी में दफ्तर ले आई जबकि भारती बाद में पूछताछ के लिए एनसीबी के ऑफिस पहुंची। एनसीबी दफ्तर में दोनों से लंबी पूछताछ के बाद देर शाम भारती सिंह और उनके पति को गिरफ्तार कर लिया गया। टीवी का जाना पहचाना चेहरा हैं भारती सिंह भारती सिंह टीवी का काफी मशहूर चेहरा हैं, कई साल से वो लगातार टीवी पर दिखती रही हैं। कॉमेडियन के तौर पर कई मशहूर टीवी शो में वो नजर आती हैं। टीवी बीते कुछ सालों में आए कॉमेडी के शो जैसे- कॉमेडी सर्कस, कॉमेडी सर्कस महासंग्राम, कॉमेडी सर्कस का जादू, कहानी कॉमेडी नाइट्स बचाओ और द कपिल शर्मा शो में भारती नजर आई हैं। भारती ने 2017 में राइटर हर्ष लिंबचिया से शादी की थी। ड्रग्स केस में फिल्म और टीवी के कई नाम जांच के दायरे में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की जून में मौत के बाद ड्रग तस्करों और बॉलीवुड हस्तियों के बीच कथित संबंधों को लेकर एनसीबी ने जांच शुरू की थी। दरअसल, सुशांत के कथित तौर पर आत्महत्या कर लेने के बाद उनके ड्रग्स का आदी होने की बात सामने आई थी। इसके बाद एनसीबी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी कि कौन-कौन ड्रग्स के लेनदेन से जुड़े हैं। एनसीबी इस सिलसिले में अब तक 20 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस मामले में सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार किया गया था। रिया फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। एनसीबी ने इस मामले में अभिनेता अर्जुन रामपाल, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर और रकुल प्रीत सिंह समेत कई बड़े नामों को पूछताछ के लिए बुला चुकी है।

बिजली के बिल में राहत नहीं मिलने पर महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी भाजपा

मुंबई, महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के खिलाफ सोमवार 23 नवंबर को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। भाजपा यह प्रदर्शन बिजली के बिलों में छूट नहीं मिलने पर करेगी। राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने लोगों से बड़ी संख्या में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेने की अपील की है। भाजपा के मुचाबिक, वह विरोध प्रदर्शन के दौरान बिजली के बिलों को जलाएगी। लॉकडाउन के दौरान राज्य के नागरिकों को बिजली के भारी बिल मिले थे। महा विकास अघाड़ी सरकार ने इस संबंध में रियायतें देने की घोषणा की थी, लेकिन अब सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि बिजली के बिल और नागरिकों को कोई राहत नहीं मिलेगी। भाजपा ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसइडीसीएल) बिजली के बिलों को जबरन वसूलने की

कोशिश कर रही है। महागठबंधन सरकार ने लोगों को धोखा दिया है।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के भाजपा विधायक प्रशांत बांब और अन्य 15 के खिलाफ नौ करोड़ रुपये ट्रांसफर करने का मामला दर्ज किया गया है। ये पैसे किसानों ने चीनी मिल से संबंधित मामले में जमा कराया था। ये रुपये ऐसे लोगों के बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए हैं जो इस मुद्दे से जुड़े नहीं है। विधानसभा में औरंगाबाद जिले के गंगापुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बांब गंगापुर को-आपरेटिव चीनी मिल के चेयरमैन भी हैं। उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का खंडन किया है। एक अधिकारी ने कहा, 'गंगापुर थाने में बुधवार रात कृष्णा पाटिल डोंगाओंकर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।' बांब और अन्य 15 लोगों पर भादवि की धारा 420, 406, 467, 468, 469, 471, 120-बी एवं अन्य के तहत मामला दर्ज किया गया है। विधायक ने कहा है कि उनके खिलाफ राजनीतिक मंशा से आरोप लगाए गए हैं।

फ़िर से जारी होगा ग्राम पंचायत चुनाव कार्यक्रम

मुंबई। कोरोना संकट के चलते राज्य की 1 हजार 566 ग्राम पंचायतों के स्थगित चुनाव कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। राज्य चुनाव आयुक्त यू पी एस मदान ने शनिवार को कहा कि ये चुनाव नए सिरे से घोषित किये जाएंगे। श्री मदान ने कहा कि राज्य के 19 जिलों के 1 हजार 566 ग्राम पंचायतों के सार्वजनिक चुनाव के लिए 24 फरवरी 2020 को चुनाव कार्यक्रम घोषित किये गए थे। इसके अनुसार 31 मार्च 2020 को मतदान होने थे। लेकिन कोरोना संक्रमण के चलते 17 मार्च 2020 को नामांकन पत्रों की जांच के चरण पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था।

उन्होंने बताया कि 31 जनवरी 2020 तक अपडेट विधानसभा मतदाता सूची के आधार पर ग्राम पंचायत चुनाव मतदाता सूची तैयार की गई थी। विधानसभा मतदाता सूची 1 जनवरी 2019 तक की थी। लेकिन भारत निर्वाचन आयोग ने 1 जनवरी 2020 तक अपडेट मतदाता सूची 25 सितंबर 2020 को प्रकाशित कर दी। नई मतदाता सूची में दर्ज लोग भी चुनाव लड़ सके और मतदान कर सके इसके लिए राज्य चुनाव आयोग ने 5 फरवरी 2020 के आदेश के तहत तैयार मतदाता सूची को रद्द कर दिया है। इस लिए मतदान कार्यक्रम फिर से घोषित किये जायेंगे।

संपत्ति की जानकारी छुपाई तो नहीं मिलेगा मासिक वेतन

मीरा-भायंदर महानगरपालिका में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों की गोपनीय रिपोर्ट तथा संपत्ति विषयक प्रमाणपत्र सादर करने की सूचना दो बार दी जा चुकी है। इसके बावजूद कई अधिकारी-कर्मचारी ये जानकारी देने में टालमटोल करते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे लोगों पर अनुशासनहीनता की कार्रवाई किए जाने की जानकारी उपायुक्त अजित मुठे ने दी है।

ज्ञात हो कि मीरा-भायंदर महानगरपालिका में स्थाई रूप से १ हजार ४५२ अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत हैं। मनपा प्रशासन की तरफ से वर्ष भर कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी, अधिकारियों के साथ किए गए उनके बर्ताव की गोपनीय रिपोर्ट, वर्तमान में उनके नाम की संपत्ति, स्थान, संपत्ति का पूर्ण विवरण, खरीदते समय की कीमत, किसके नाम से खरीदा संपत्ति, संपत्ति से प्राप्त होनेवाली आय, बैंक खाते में जमा रकम आदि की जानकारी सादर करने की सूचना १६ जून को दी गई थी। इसके बावजूद कई अधिकारियों द्वारा उक्त जानकारी मनपा प्रशासन में नहीं जमा करने के कारण उन्हें दोबारा ३१ जुलाई को नोटिस दी गई। इसके बावजूद वर्ग-१ व २ के कई अधिकारियों ने अब तक अपनी जानकारी नहीं दी है।

प्यार पर पाबंदी

कर्नाटक और हरियाणा के बाद अब मध्य प्रदेश सरकार ने भी 'लव जिहाद' के खिलाफ नया कानून लाने की घोषणा कर दी है। मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का कहना है कि विधानसभा के अगले ही सत्र में यह विधेयक पेश कर दिया जाएगा। साफ है कि बीजेपी शासित इन राज्यों की सरकारें 'लव जिहाद' नाम की उस समस्या को बड़ी गंभीरता से ले रही हैं, जिसका केंद्र सरकार के मुताबिक कोई अस्तित्व ही नहीं है।केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसी साल फरवरी में संसद को सूचित किया था कि न तो किसी कानून में लव जिहाद जैसी किसी चीज का जिक्र है, न ही किसी जांच एजेंसी को अब तक ऐसा कोई केस मिला है। बावजूद इसके, न केवल विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठन बल्कि राज्य सरकारों से जुड़े लोग भी कथित लव जिहाद को लेकर आक्रामक बयान देते रहते हैं। अभी तो बीजेपी की राज्य सरकारों में इसके खिलाफ कानून लाने की होड़ मची हुई है।

'लव जिहाद' शब्द हाल के वर्षों में ज्यादा चलन में आया है और इसका प्रयोग हिंदू लड़की और मुस्लिम लड़के की शादी के संदर्भ में किया जाता है। आरोप यह है कि ऐसे ज्यादातर मामलों में लड़की को बहला-फुसला कर या उसका ब्रेनवॉश करके उसका धर्म बदलने की साजिश होती है। मध्य प्रदेश के गृहमंत्री के मुताबिक प्रस्तावित कानून में इसके लिए पांच साल के सश्रम कारावास का प्रावधान होगा और इसे गैर जमानती अपराध बनाया जाएगा। इतना ही नहीं, इसमें मदद करने वाले लोगों को मुख्य आरोपियों के समकक्ष माना जाएगा। हालांकि कानून या विधेयक का स्वरूप तो ठीक-ठीक तब स्पष्ट होगा जब यह तैयार होगा, लेकिन फिलहाल राहत की बात यह है कि मध्य प्रदेश सरकार ने अंतरधार्मिक जेनुइन शादियों की भी गुंजाइश मानी है।

कहा जा रहा है कि शादी के लिए स्वैच्छिक धर्मांतरण के मामलों में एक महीना पहले जिलाधिकारी कार्यालय में आवेदन करना होगा। मगर सबसे बड़ा सवाल यहां यह है कि आखिर यह पता कैसे लगाया जाएगा कि धर्मांतरण स्वैच्छिक है या संबंधित व्यक्ति को बहलाया-फुसलाया गया है, उसका ब्रेनवॉश किया गया है। जाहिर है, इसका एकमात्र प्रामाणिक आधार संबंधित व्यक्ति का अपना बयान ही हो सकता है। अगर सचमुच किसी को बहलाया-फुसलाया जाता है तो देर-सबेर उसे इसका अहसास भी होगा और फिर वह इसकी शिकायत भी संबंधित अधिकारियों से कर सकता/सकती है।

चूंकि विवाहित महिलाओं और पुरुषों को यह अधिकार मौजूदा कानूनों के तहत भी हासिल है, इसलिए इस पर अलग से कानून लाने का कोई औचित्य नहीं बनता। वैसे भी देश में स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 पहले से ही मौजूद है जो अंतरधार्मिक विवाहों के मामलों में लागू होता है। नए कानून से अगर कुछ होगा तो यही कि देश के युवाओं के अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने और अपने विश्वास के मुताबिक अपना धर्म चुनने के अधिकार पर पाबंदियां लगेंगी। व्यक्ति स्वातंत्र्य के प्रति ऐसा जोर-जबर्दस्ती वाला नजरिया किसी आधुनिक समाज को शोभा नहीं देता।

गैंग नहीं, सियासी पार्टियां

संजय शर्मा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर की स्थानीय राजनीतिक पार्टियों पर तीखा हमला बोलते कहा कि कांग्रेस और गुपकार गैंग जम्मू-कश्मीर को फिर से आतंक और उत्पात के दौर में ले जाना चाहते हैं। गुपकार गैंग से गृहमंत्री का मतलब उन पार्टियों से है जो गुपकार डिक्लेरेशन का हिस्सा हैं। नैशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, पीपल्स कॉन्फ्रेंस और सीपीआईएम ने मिलकर पीपल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) नाम का एक राजनीतिक मोर्चा बनाया है जो एक इकाई के रूप में राज्य में स्थानीय निकायों के चुनाव लड़ रहा है। कांग्रेस का इनके साथ घोषित तौर पर कोई समझौता नहीं है, लेकिन स्थानीय स्तर पर सीटों का तालमेल होने की चर्चा है।

चूंकि गुपकार डिक्लेरेशन से प्रतिबद्धता जताने वाला यह संगठन राज्य में अनुच्छेद 370 बहाल किए जाने की मांग करता है और फारूख अब्दुल्ला तथा महबूबा मुफ्ती के कुछ तीखे बयानों पर विवाद भी हो चुका है, इसलिए भारतीय जनता पार्टी का उन पर खास तौर पर हमलावर होना स्वाभाविक है। लेकिन यहां मामला देश के गृहमंत्री के बयान का है। जम्मू-कश्मीर में प्रभाव रखने वाली मुख्यधारा की पार्टियों के एक मोर्चे को गैंग या अपराधियों के गिरोह के रूप में संबोधित करना उचित नहीं कहा जा सकता।

याद रखना चाहिए कि इस राज्य में उग्रवाद के चरम उठान के दिनों में भी ये पार्टियां न केवल चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी रहकर राज्य में सरकार चलाती रही हैं बल्कि इनके सैकड़ों नेता-कार्यकर्ता आतंकी हमलों में मारे गए हैं और अलग-अलग समय में ये केंद्र सरकार का भी हिस्सा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन दलों के प्रमुख नेता कश्मीर को लेकर भारत के पक्ष का समर्थन करते रहे हैं। आज भी ये स्थानीय चुनावों में पूरी शिद्दत से शामिल हो रहे हैं, चुनाव बहिष्कार की बात नहीं कर रहे। अगर ये दल राज्य में अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर अड़े हुए हैं तो उनकी इस मांग से सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन इसके साथ ही हमें यह याद रखना चाहिए कि भारत का संविधान और यहां की लोकतांत्रिक व्यवस्था उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने की इजाजत देती है।

आखिर अनुच्छेद 370 के लागू रहते हुए भी जम्मू-कश्मीर लंबे समय तक इस देश का अभिन्न अंग रहा है। सरकार और भारतीय जनता पार्टी यह कहती रही है कि अनुच्छेद 370 के तहत विशेष प्रावधान खत्म करने का फैसला राज्य की जनता के हित में किया गया है। चुनाव वह उपयुक्त मौका है जब पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को इस फैसले की खूबियां समझा सकते हैं और उन्हें समझाना चाहिए। इसके बजाय जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक संगठनों को आपराधिक गिरोह करार देने वाले सरकारी बयान इन्हें चुनाव प्रक्रिया से बाहर धकेलने का काम करेंगे। ऐसा हुआ तो उन तत्वों को मजबूती मिलेगी जो राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को हाशिये पर डालकर लोगों को आतंकी रास्ते की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं।

मिथकों से हारती लैंगिक समानता

जिगर डी वाढेर

जेंडर इक्वलिटी को लेकर दुनिया भर में जारी बहस के बीच वैज्ञानिकों ने दक्षिणी अमेरिका की इंडीज पर्वत श्रृंखला में 9000 साल पुराने एक ऐसे स्थान का पता लगाया है जहां महिला शिकारियों को दफनाया जाता था। इस खोज ने लंबे समय से चली आ रही इस अवधारणा को चुनौती दी है कि आदिम समाजों में पुरुष शिकार करते थे जबकि महिलाएं भोजन एकत्र करती थीं। 'साइंस एडवांसेज' जर्नल में प्रकाशित यह शोध उस आम धारणा के बिल्कुल उलट है, जिसके हिसाब से आदि मानवों के समय का समाज हंटर-गैदरर सोसाइटी के रूप में गठित था। हंटर यानी शिकारी पुरुषों को माना जाता था और गैदरर (इकट्ठा करने वाला) मुख्य रूप से महिलाओं को। इसके पीछे तर्क यह था कि शिकार करने के लिए शारीरिक बल की जरूरत होती है, जो पुरुषों के ही पास है और चूंकि महिलाएं कथित रूप से पुरुषों से कमजोर होती हैं इसलिए उनका काम कंद-मूल इकट्ठा करने तक सीमित था।

अब इंडीज पर्वतमाला में प्राप्त महिला शिकारियों के अवशेषों ने वर्षों से स्थापित ऐसी धारणाओं को गलत साबित कर दिया है। इस अध्ययन के आधार पर शोधकर्ताओं ने कहा कि लिंग आधारित श्रम विभाजन, वैतनिक असमानता और पद से जुड़े अंतरों का असल में कोई प्राकृतिक आधार नहीं है। तो प्रश्न यह उठता है कि लिंग आधारित श्रम विभाजन की गहरी लकीरें आखिर किन आधारों पर खींच दी गई। लियोनेल टाइगर और रॉबिन फॉक्स ने अपनी पुस्तक 'द इंपीरियल एनिमल' (1972) में जैविक सिद्धांत की व्याख्या की। उनकी दृष्टि में लैंगिक श्रम विभाजन जैविक होता है। चार्ल्स डार्विन जैसे वैज्ञानिक ने भी अपने तर्कों से इसी अवधारणा को स्थापित करने की कोशिश की कि स्त्रियां पुरुषों के मुकाबले जैविक रूप से कमजोर होती हैं।पर क्या वाकई ऐसा है? हाल के वर्षो में हुए अध्ययन इन अवधारणाओं को सिरे से खारिज करते हुए दिखाई देते हैं। 2018 में यूनिवर्सिटी ऑफ एलैबाना के अध्ययन में पाया गया कि महिलाओं की शारीरिक क्षमता और सहनशीलता पुरुषों से ज्यादा होती है। कुछ इसी तरह के निष्कर्ष उस अध्ययन से भी निकले जो अंटार्टिका पहुंची महिलाओं की एक टीम पर किया गया था। छह अमेरिकी महिला सैनिकों ने 62 दिनों में अंटार्टिका की यात्रा संपन्न की। इस दौरान उन्होंने 80 किलो सामान के साथ बहुत कम तापमान और तेज हवाओं में 1056 मील की ट्रैकिंग की। स्वास्थ्य परीक्षण में पाया गया कि महिलाओं के शरीर ने यात्रा के दौरान प्रतिकूल परिस्थिति पर ठीक उसी तरह की प्रतिक्रिया दी, जैसी एक पुरुष शरीर देता है। ग्लासगो में सोसाइटी ऑफ एंडोक्राइनॉलजिस्ट के वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत इस अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया कि अगर महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाए तो उनका शरीर भी हर मायने में उतना ही सक्षम होता है, जितना पुरुषों का।हालांकि यहां प्रशिक्षण का तात्पर्य शारीरिक प्रशिक्षण से था लेकिन इस सत्य को किसी भी रूप में नकारा नहीं जा सकता कि सभ्यता के विकास के पहले चरण के बाद से ही महिलाओं के मस्तिष्क को इस तरह प्रशिक्षित किया गया कि वे स्वयं ही अपने शारीरिक बल को पुरुषों से कम आंकने लगीं। सभ्यता के आरंभ में लैंगिक श्रम विभाजन नहीं था परंतु जैसे-जैसे कृषि कार्य आर्थिक व्यवस्था का अंग बने और भूमि के स्वामित्व की बात आई, पुरुषों ने घर से बाहर के ज्यादातर दायित्व अपने हाथ में ले लिए। एक सामाजिक प्रक्रिया के तहत आए श्रम के इस लैंगिक विभाजन को महिलाओं ने अपनी सोच का हिस्सा बना लिया। दूसरी तरफ समाज के संस्थागत और वैचारिक तंत्रों के माध्यम से महिलाओं के श्रम और उनकी उपयोगिता का योजनाबद्ध अवमूल्यन पितृसत्ता के तंत्र को मजबूत करता गया।मानव समाज में प्रभुत्व की लालसा सदैव बलवती रही है। इस प्रभुत्व को प्राप्त करने का सर्वसिद्ध माध्यम भूमि और आर्थिक संपदा रहा है। पुरुषों ने इस सत्य को सभ्यता के आरंभिक वर्षों में ही भांप लिया था। यही कारण रहा कि पूंजीवादी समाज में काम के आवंटन में सामाजिक लिंगभेद को सही ठहराने के लिए यह तर्क दिया जाने लगा कि स्त्री-पुरुष के कार्यक्षेत्र अलग, मगर बराबर हैं। व्यवहार में स्त्री और पुरुष को निर्दिष्ट काम असमान प्रस्तुति से जुड़े हैं, जिसमें एक समूह के कामों को महिमामंडित किया गया जबकि दूसरे को मान्यता तक प्रदान नहीं की गई। विश्व का शायद ही कोई समाज ऐसा होगा जहां महिलाओं के कार्य क्षेत्रों का अवमूल्यन न किया गया हो।पूर्वस्थापित आर्थिक निर्भरता के चलते महिलाएं पुरुष सत्तात्मक व्यवस्था का हिस्सा बने रहने को मजबूर थीं। बच्चों की देखभाल और घर के कामकाज की जिम्मेदारियों के बीच महिलाओं के लिए पूर्णकालिक नियमित रोजगार पाना असंभव सा हो गया था। इस तरह महिला श्रमशक्ति अनौपचारिक या असंगठित क्षेत्र के दायरे में ही सिमट कर रह गई। हमें यह स्वीकारना ही होगा कि महिलाओं को अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से बाहर रखना सामाजिक संगठन का एक गतिशील और दीर्घकालिक पहलू है। विकास की तमाम ऊंचाइयों को लांघती दुनिया आज भी अपनी सामाजिक रचना ऐसी रखे हुए है जो महिलाओं को जैविक दृष्टि से पुरुषों से कमतर होने का अहसास निरंतर कराती रहती है।

एक अध्ययन के मुताबिक पांच वर्ष के बच्चे में यह समझ विकसित हो जाती है कि उसके जेंडर से क्या व्यवहार अपेक्षित है। एक प्रयोग के दौरान छोटे बच्चों को रोजमर्रा के कामकाज की तस्वीर दिखाई गई। इनमें से एक तस्वीर में एक लड़की कुल्हाड़ी से लकड़ी काट रही थी। बाद में जब बच्चों से पूछा गया कि उन्होंने तस्वीर में क्या देखा तो कई बच्चों ने बताया कि तस्वीर में एक लड़का लकड़ी काट रहा था। उनके पूर्वाग्रह ग्रस्त मस्तिष्क के लिए यह याद रख पाना मुश्किल था कि लड़की भी लकड़ी काट सकती है। इस अध्ययन से स्पष्ट हो जाता है कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था का पोषण किस तरह किया जाता है। यह व्यवस्था सहज समाप्त नहीं होने वाली क्योंकि पुरुष सामाजिक प्रभुत्व का सुख त्यागने के लिए अग्रसर नहीं होंगे, भले ही इसके लिए उन्हें कितने ही मिथक क्यों न गढ़ने पड़ें।

चीन को अहम संदेश देने के लिए मालाबार युद्धाभ्यास

भूपेन्द्र पटेल

विमानवाहक पोतों, विध्वंसक पोतों, फ्रिगेटों ,पनडुब्बियों, समुद्री लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, समुद्र टोही विमानों और मिसाइलों का जमावड़ा कर चार देशों की नौसेनाएं कई हजार नौसैनिकों के साथ हिंद महासागर में आपस में युद्ध-खेल खेलें तो इससे उपजे समुद्री कोलाहल का क्या संदेश दुनिया के लिए जाएगा? भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान की नौसेनाओं ने 13 साल बाद इस महीने एक बार फिर समुद्री युद्ध का यह खेल खेल कर अपने साझा प्रतिद्वंद्वी चीन को सीधा संदेश देने की कोशिश की है। पिछली बार 2007 में बंगाल की खाड़ी में जब इन चार देशों के अलावा सिंगापुर की नौसेना को भी साथ लेकर पांच देशों का साझा मालाबार युद्धाभ्यास किया गया था तब चीन की झिड़की के बाद ऑस्ट्रेलिया खेल के मैदान से बाहर हो गया था।

साझा चुनौती का सामना

लेकिन इस बार चारों देश नए राष्ट्रीय संकल्प के साथ हिंद महासागर में उतरे हैं और चीन की समुद्री दादागिरी का साझा मुकाबला करने का इरादा जाहिर कर रहे हैं। भारतीय नौसेना की मेजबानी में आयोजित चार ताकतवर देशों के साझा नौसैनिक अभ्यास मालाबार ने चीन के सामरिक हलकों में चिंता पैदा की है क्योंकि मालाबार चतुर्पक्षीय अभ्यास को चीन की समुद्री विस्तारवादी नीतियों को चुनौती देने वाले संभावित सैनिक गुट की रणनीतिक पहल के तौर पर देखा जा रहा है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका को साथ लेकर आयोजित इस साझा नौसैनिक अभ्यास पर दुनिया के सामरिक हलकों की नजर थी क्योंकि कोविड के बाद की दुनिया में इसे एक नया सामरिक समीकरण विकसित होने के शुरुआती ठोस कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

दक्षिण चीन सागर में अपना प्रभुत्व स्थापित करने वाली चीन की गतिविधियों और लद्दाख में भारत-चीन सैन्य तनाव के बीच चार देशों का साझा नौसैनिक अभ्यास मालाबार दुनिया में एक नए सामरिक समीकरण और सैन्य गठजोड़ का बीजारोपण है या महज दिखावटी शक्ति प्रदर्शन, इसके बारे में अभी कयास ही लगाए जा सकते हैं। यह काफी कुछ चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता और अमेरिका के भावी राष्ट्रपति जो बाइडन के सामरिक नजरिये पर निर्भर करेगा। लेकिन यह भी देखना होगा कि चीन अपनी आर्थिक ताकत के बल पर इस गठजोड़ के उभरने से पहले ही इसमें दरार डालने में कामयाब न हो जाए। ध्यान रहे,ऑस्ट्रेलिया और जापान की अर्थव्यवस्थाओं की नकेल चीन के हाथों में है, जिसे वह जब भी कस कर खींचने लगेगा, दोनों देश अपने पर लगाम लगा लेंगे।

पिछली बार 2007 में जब बंगाल की खाड़ी में ही सिंगापुर के अलावा उक्त चार देशों को साथ लेकर पांच देशों का साझा बहुपक्षीय मालाबार नौसैनिक अभ्यास हुआ था तब चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की थी और सभी भागीदार देशों से सख्त राजनयिक विरोध जाहिर किया था। लेकिन इस बार विरोध करने के बदले चीन ने जापान पर डोरे डालने शुरू कर दिए हैं जिससे जापान कुछ नरम पड़ता दिखने लगा है।

इसी के मद्देनजर यह देखना होगा कि अमेरिकी चुनाव प्रचार के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी चिन फिंग को ठग की संज्ञा देने वाले जो बाइडन राष्ट्रपति पद संभालने के बाद अमेरिका के चीन विरोध को किस हद तक आगे ले जाते हैं।

यह भी देखना होगा कि जो बाइडन चीन विरोध को अमेरिकी हितों तक ही सीमित रखते हैं या फिर भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान की सुरक्षा तथा आर्थिक चिंताओं के अनुरूप मालाबार में अपनी साझेदारी और हिस्सेदारी को मजबूत करने की पहल करते हैं।

मालाबार साझा नौसैनिक अभ्यास का पहला चरण तीन से छह नवंबर तक बंगाल की खाड़ी में और दूसरा चरण 16-18 नवंबर तक अरब सागर में संपन्न होने के बाद से चीन के सामरिक हलकों में इसे लेकर तीखी टिप्पणियां की जा रही हैं। चीन को समझ में आ रहा है कि उसकी बढ़ती सैन्य विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ चारों देश एकजुट हो रहे हैं। इसलिए चीनी विदेश मंत्रालय ने मालाबार युद्धाभ्यास शुरू होने पर उम्मीद जाहिर की थी कि यह अभ्यास क्षेत्रीय शांति के अनुकूल होगा, न कि इसके खिलाफ। चीन के यह कहने का अर्थ यही है कि चारों देश चीन को सागरीय चुनौती देकर शांति भंग न करें।

चीन ने हाल में जिस तरह दक्षिण चीन सागर में अपनी समर नीति को धारदार बनाया है, उससे न केवल अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत परेशान हैं बल्कि दक्षिण पूर्व एशिया के वे छोटे देश भी चिंतित हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक चीन से जुड़ी हुई है। यह अलग बात है कि वियतनाम और सिंगापुर को छोड़कर कोई देश खुल कर उसके खिलाफ खड़ा होने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। हालांकि इंडोनेशिया और फिलीपींस के इस गठजोड़ का साथी बनने की संभावना है।

चीन ने पहले ही इस नए उभरते सैन्य गठजोड़ को एशिया के नाटो की संज्ञा दी है, जिसके बारे में सामरिक विशेषज्ञों का कहना है कि इसका मुख्यालय अंडमान और निकोबार में स्थापित हो सकता है। हालांकि ऐसा कोई आधिकारिक प्रस्ताव किसी देश ने नहीं रखा है लेकिन चीन के लिए अहम व्यापारिक मार्ग और दक्षिण चीन सागर के प्रवेश द्वार मलक्का जलडमरूमध्य के काफी नजदीक होने की वजह से अंडमान निकोबार को मालाबार सैन्य गठजोड़ का मुख्यालय बनाना तार्किक लगता है। वैसे यह विचार ठोस आकार तभी ले सकता है जब भारतीय रक्षा कर्णधारों का यह आकलन हो कि चीन की चुनौतियों का मुकाबला करने में बाकी देश भविष्य में ढीले पड़ सकते हैं।

साझा गश्त की योजना

सामरिक हलकों में यह सवाल अभी बना रहेगा कि मालाबार केवल सालाना नौसैनिक मिलन तक ही सीमित रहने वाला है या आपसी गठजोड़ का अटूट रिश्ता स्थापित करने के लिए चारों देश कोई ढांचा खड़ा करेंगे। चीन की शंका के अनुरूप इसे एशियाई नाटो के तौर पर विकसित करना तो उचित नहीं होगा लेकिन चारों देश इतना जरूर कर सकते हैं कि उनके युद्धपोत सामूहिक तौर पर न केवल हिंद महासागर में गश्त लगाने की कोई योजना अमल में लाएं बल्कि दक्षिण चीन सागर में भी चीन की विस्तारवादी नीतियों को चुनौती देने के लिए संयुक्त गश्त लगाने की योजना बनाएं।

हम अखंड भारत में यकीन रखते हैं, एक दिन कराची भी हिंदुस्तान में होगा - देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि उनका 'अखंड भारत' में पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि 'हमें लगता है कि एक दिन कराची भी भारत का हिस्सा होगा।' फडणवीस ने यह बात मुंबई की एक घटना को लेकर कही जिसमें एक शिवसेना कार्यकर्ता ने मिठाई की एक दुकान के नाम से 'कराची' हटाने को कहा है क्योंकि वह पाकिस्तानी शहर है। उसने बांद्रा में 'कराची स्वीट्स' के मालिक से कहा कि वह कोई ऐसा नाम रखे जो भारतीय या मराठी हो।

कार्यकर्ता की हरकत से घिरी शिवसेना ने खुद को अलग कर लिया है। पार्टी के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा, "कराची स्वीट्स और कराची बेकरी मुंबई में 60 साल से हैं। उनका पाकिस्तान से कोई लेना-देना नहीं है। अब उनसे नाम बदलने को कहने का कोई मतलब नहीं है... यह शिवसेना का आधिकारिक स्टैंड नहीं है।"

RSS और BJP के कई नेता दे चुके हैं 'अखंड भारत' पर बयान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के कई नेता पहले भी 'अखंड भारत' को लेकर बात करते रहे हैं। अल जजीरा से एक इंटरव्यू में राम माधव ने कहा था कि 'आरएसएस मानता है कि एक दिन भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जो महज कुछ दशक पहले अलग हुए हैं, वे फिर से साथ आएंगे और अखंड भारत बनेगा।' मार्च 2019 में संघ के इंद्रेश कुमार ने दावा किया था कि भारत और पाकिस्तान 2025 तक एक हो जाएंगे और भारतीय फिर लाहौर में बसेंगे। पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी भी यूरोपियन यूनियन की तर्ज पर भारत और पाकिस्तान के एक साझा संगठन की वकालत कर चुके हैं।

शिवसेना भी 'अखंड भारत' पर मुखर रही है। खासतौर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद पार्टी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत में मिलाने की वकालत की थी।

अखंड भारत का सपना होगा साकार: राम माधव

'लव जिहाद' पर कानून के पक्ष में फडणवीस

फणनवीस ने देश में कथित रूप से 'लव जिहाद' के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा, "लव जिहाद देश में हो रहा है और यह केरल में भी सामने आया है जहां भाजपा की सरकार नहीं है। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि जब ऐसे मामले आएं तो वह कानून बनाए।"

भूमि मालिकों के लिए मुआवजा सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है-अदालत

मुंबई, बंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि जब सरकार किसी सार्वजनिक कार्य के लिए भूमि का अधिग्रहण करने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करती है, तो यह सुनिश्चित करना भी उसका दायित्व है कि भूमालिकों को उसका मुआवजा मिले। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने सक्षम प्राधिकारी द्वारा तय की गई मुआवजा राशि को चुनौती देने वाली भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की याचिका 17 नवंबर को खारिज कर दी। अदालत ने एनएचएआई को निर्देश दिया कि वह उन दो महिलाओं को मुआवजे की राशि दे, जिनकी जमीन का सार्वजनिक कार्यों के लिए अधिग्रहण किया गया है। एनएचएआई ने उपायुक्त (भूमि अधिग्रहण) नासिक के पांच जनवरी, 2017 के आदेश को खारिज किए जाने का अनुरोध किया था। इस आदेश के तहत, नासिक के राहुद गांव में 3,000 वर्ग मीटर जमीन की मालिक मालतीबाई पवार और 1,900 वर्ग मीटर जमीन की मालिक उज्ज्वला थोराट को मुआवजा देने को कहा गया था। एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्ग तीन को चौड़ा करने के मकसद से उनकी भूमि के अधिग्रहण का प्रस्ताव रखा था। एनएचएआई को 2,700 रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर पर मुआवजा देने का आदेश दिया गया था, जिसे बाद में कम करके 2,200 रुपए प्रति वर्ग मीटर कर दिया गया था। नासिक सत्र अदालत ने अक्टूबर 2018 में इस राशि को बरकरार रखा था, जिसके बाद एनएचएआई ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। न्यायमूर्ति जाधव ने कहा कि सरकार जब भूमालिकों की इच्छा के विरुद्ध सार्वजनिक कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण के अपने अधिकार का इस्तेमाल करती है, तो यह सुनिश्चित करना सरकारी निकाय का दायित्व बनता है कि जिस व्यक्ति की जमीन का अधिग्रहण किया गया उसे कानूनी प्राधिकारी द्वारा घोषित मुआवजा राशि दी जाए। पीठ ने याचिका खारिज कर दी, लेकिन इसके क्रियान्वयन पर 12 जनवरी 2021 तक रोक लगा दी, ताकि एचएचएआई को अदालत के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने का समय मिल सके।

मुंबई से दिल्ली आई महिला के साथ एरोसिटी के होटल में रेप

नई दिल्ली, मुंबई से दिल्ली आई एक महिला ने दिल्ली एयरपोर्ट के पास स्थित एरोसिटी के एक होटल में अपने साथ बलात्कार होने की शिकायत की है। एयरपोर्ट पुलिस से की गई शिकायत में पीड़ित महिला ने अपने एक फेसबुक फ्रेंड पर रेप करने का आरोप लगाया है। जिसने उनके साथ एरोसिटी के एक होटल में रेप किया। विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट भी की गई।

मामले में एयरपोर्ट पुलिस महिला के आरोपों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पीड़ित महिला ने बताया है कि वह मुंबई से बुधवार रात को दिल्ली एयरपोर्ट उतरी थी। यहां उन्होंने एरोसिटी के एक होटल में स्टे किया। गुरुवार शाम को उसका एक एफबी फ्रेंड होटल आया और उसे अपने साथ कनॉट प्लेस ले गया। उसके साथ एक और दोस्त था।

आरोप है कि वहां पार्टी करने के बाद जब वह उन दो दोस्तों के साथ एरोसिटी आ रही थी। तब रास्ते में उसके दोस्त के दोस्त ने उसके साथ बदतमीजी की। उसे रास्ते में उतार दिया। इसके बाद वह और उसका एफबी दोस्त एरोसिटी के होटल में आ गए। जहां रात को उसके साथ मारपीट कर रेप किया गया।

महिला ने पुलिस को बताया है कि इसके बाद उसका दोस्त उसे आनंद विहार ले गया। जहां वह उसे गुरूवार-शुक्रवार देर रात 12 बजे के बाद कार से नीचे उतारकर भाग गया। महिला ने इसकी शिकायत एयरपोर्ट पुलिस से की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला द्वारा लगाए गए तमाम आरोपों की तफ्तीश की जा रही है। उन्होंने जिस आरोपी के बारे में बताया है। उसकी भी तलाश की जा रही है।

TRP स्कैम केस में मनी लॉन्ड्रिंग का शक, ED ने केस दर्ज कर शुरु की जांच

मुंबई, प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को टेलीविजन रेटिंग पॉइंट (टीआरपी) स्कैम (TRP SCAM) केस में मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट (ED Case of Money Laundering) के तहत केस दर्ज किया है। टीआरपी स्कैम मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका होने के बाद मुंबई पुलिस ने प्रवर्तन निदेशालय को इसकी जानकारी दी थी। इस मामले में ईडी ने अब प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की है। टीआरपी घोटाले से जुड़े केस में मुंबई पुलिस ने अब तक कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में रिपब्लिक टीवी के डिस्ट्रीब्यूशन हेड घनश्याम सिंह का नाम भी है। शुक्रवार को इस संबंध में केस दर्ज करने के बाद ईडी ने जांच शुरू की है। दो हफ्ते पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने इसी केस में महाराष्ट्र सरकार, मुंबई के पुलिस कमिश्नर परमवीर सिंह और अन्य पुलिस अधिकारियों से भी एक याचिका के संबंध में जवाब मांगा था। सरकार और मुंबई के सीपी से अदालत ने मांगा जवाब

बॉम्बे हाई कोर्ट ने टेलीविजन रेटिंग पॉइंट (टीआरपी) घोटाले में शिकायतकर्ता हंसा रिसर्च ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दायर एक याचिका पर महाराष्ट्र सरकार, मुंबई पुलिस के आयुक्त परमबीर सिंह तथा दो अन्य पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा था। याचिका में पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया गया।

याचिका में सीबीआई को केस सौंपने की मांग याचिका में दावा किया गया था कि कंपनी के अधिकारियों को परेशान किया जा रहा है और उन पर गलत बयान देने के लिए दबाव डाला जा रहा है। याचिका में अनुरोध किया गया है कि इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी जाए।

नाराज नहीं है कांग्रेस, कोरोना की वजह से राजस्व में आई कमी के चलते सबको नहीं मिल पा रहा है फंड: बालासाहेब थोरात

मुंबई,महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष और राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात ने कहा है कि कांग्रेस की महाविकास अघाड़ी सरकार से किसी भी प्रकार की नाराजगी नहीं है। हमें पता है कि कोरोना की वजह से राजस्व में भारी कमी आई है। जिसकी वजह से सभी मंत्रियों को पैसों की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। शिवसेना हो या फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी हमारी किसी के साथ कोई भी नाराजगी नहीं है। थोरात ने नासिक में मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा कि मौजूदा हालात में राज्य की तिजोरी से सिर्फ पैसे जा रहे हैं। पैसे आने के साधन बेहद सीमित होते जा रहे हैं इस वजह से पैसे की किल्लत हो रही है।

ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने लगाया था आरोप

महाविकास अघाड़ी सरकार के ऊर्जा मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नितिन राउत ने ठाकरे सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा था कि उनके विभाग को पर्याप्त फंड नहीं मुहैया करवाया जा रहा है जिसकी वजह से कई विकास की योजनाएं अधर में लटकी हुई हैं। विशेषकर बिजली विभाग, शिक्षा विभाग और ट्राइबल विभाग सरकार में खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। ये सभी विभाग कांग्रेस के पास हैं। जबकि परिवहन विभाग को पैकेज दिया गया है। परिवहन मंत्रालय शिवसेना के पास है।

बिजली उपभोक्ताओं को राहत देना चाहते थे राउत

बिजली के बिलों में राहत को लेकर प्रमुख विरोधी दल बीजेपी और राज ठाकरे की मनसे ने सरकार को चेतावनी दी है। इस संबंध में गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में बहस हुई। जिससे माहौल कांग्रेस बनाम शिवसेना और एनसीपी हो गया था। बहस के दौरान किसी तरह का कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। बताया जा रहा है मुख्यमंत्री ठाकरे ने यह कहते हुए कांग्रेस को शांत किया गया कि इस बारे में वे खुद ऊर्जा मंत्री से अलग से बैठक करेंगे। बताया जा रहा है कि बैठक में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली के बिलों में आम आदमी को राहत देने के लिए उन्होंने आठ बार प्रस्ताव भेजा, लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया गया। विपक्ष के आक्रामक रुख के बाद सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक में माना कि कोरोना काल के दौरान जिनके बिल ज्यादा आए हैं, उन्हें राहत देने की आवश्यकता है।

केसी पाड़वी ने भी जताई थी नाराज़गी

राज्य के आदिवासी मंत्री केसी पाड़वी पहले ही अपना विरोध सरकार के प्रति जता जता चुके हैं। पाड़वी ने कहा कि राज्य के वित्त मंत्री से मिलने के बाद भी उनके विभाग को फंड अलॉट नहीं किया गया। जबकि 20 प्रतिशत फंड नॉन ऐडेड स्कूल को और 20 प्रतिशत अतिरिक्त फंड ऐडेड स्कूल को दिए जाने का फैसला हुआ था। लेकिन वित्त विभाग ने अभी तक इसे पास नहीं किया। वहीं परिवहन विभाग को 1000 करोड़ रुपये का फंड दिया गया है। भविष्य में फंड ना देने का मुद्दा महाविकास अघाड़ी सरकार में मुसीबत का सबब बन सकता है।

बीएमसी में छिड़ी भगवा की लड़ाई, बीजेपी ने कहा कि बीएमसी में शिवसेना का नहीं हमारा झंडा लहराएगा

भारतीय जनता पार्टी के विधायक और प्रवक्ता राम कदम ने शिवसेना पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि शिवसेना को ऐसा लगता है कि भगवा उनकी जागीर है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। शिवसेना ने भगवा, छत्रपति शिवाजी महाराज और हिंदुत्व के नाम पर सिर्फ सियासत की है और वोट मांगे हैं। असल में शिवसेना का भगवा से कुछ भी लेना देना नहीं है। पूरे देश का शिवसेना से सिर्फ यही सवाल है कि जब पालघर में साधुओं की पीट-पीटकर निर्मम हत्या हुई। जब उनके भगवा वस्त्र को तार-तार किया गया तब शिवसेना कहां थी। तब शिवसेना का एक भी नेता क्यों सामने नहीं आया और क्यों उन्होंने आवाज नहीं उठाई। भगवा को आतंकवाद से जोड़ने वाली कांग्रेस के साथ शिवसेना ने सांठगांठ की और सत्ता में शामिल हुई है। शिवसेना उनके साथ बैठकर बिरयानी खाती है और भगवा की बात करती है। आज जब समूचा संत समाज पालघर की घटना को लेकर भगवा को न्याय दिलाने की बात कर रहा है तो शिवसेना के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। बावजूद इसके शिवसेना भगवा की बात करती है। इस बार बीएमसी पर भगवा झंडा जरूर लहराएगा लेकिन वह झंडा शिवसेना का नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी का होगा। भगवा को लेकर शिवसेना का पाखंड पूरे देश ने देखा है।

मुंबई में स्कूल 31 दिसम्बर तक बंद रहेंगे : बीएमसी

मुंबई, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि शहर में स्कूल 31 दिसंबर तक बंद रहेंगे। इससे पहले स्कूलों को 23 नवंबर से फिर से खोलने का फैसला किया गया था। महानगर में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि दर्ज किये जाने के मद्देनजर स्कूलों को फिलहान नहीं खोलने का निर्णय किया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि, महाराष्ट्र के अन्य शहरों में स्कूल स्थानीय परिस्थितियों और मौजूदा महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए तय कार्यक्रम के अनुसार फिर से खुल सकते हैं। महाराष्ट्र में स्कूल कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण मार्च से बंद हैं। इन स्कूलों को दिवाली की छुट्टियों के बाद 23 नवंबर से नवीं से बारहवीं कक्षा के लिए फिर से खोलने की तैयारी थी। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा, ''कोविड-19 के मामले शहर में बढ़ रहे हैं। कुछ स्कूलों को महामारी के बीच जांच और पृथकवास सुविधाओं के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। संक्रमण को और अधिक फैलने से रोकने के लिए हमने स्कूलों को 31 दिसंबर तक बंद रखने का फैसला किया है।'' गत 16 नवंबर को कोविड-19 के 409 नए मामले सामने आये थे, जो अप्रैल के बाद से एक दिन में सबसे कम मामले थे। उसके बाद शहर में 17, 18 और 19 नवंबर को क्रमशः क्रमशः 541, 871 और 924 नये मामले सामने आये थे। स्कूल शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''अगर स्थानीय स्थितियां अनुकूल हों तो, राज्य के अन्य हिस्सों में स्कूलों को 23 नवंबर से फिर से खोला जा सकता है।" उन्होंने कहा कि अगर कोई मामला नहीं है या संक्रमण के बहुत कम मामले हैं, तो स्थानीय अधिकारियों जैसे नगरपालिका आयुक्त या जिला कलेक्टरों को स्कूलों को फिर से खोलने का अधिकार दिया गया है। इस महीने की शुरुआत में, महाराष्ट्र सरकार ने घोषणा की थी कि स्कूल 23 नवंबर से सभी कोविड-19 सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ नवीं से बारहवीं कक्षा के लिए फिर से खुलेंगे।

बंद हो सकती है दिल्ली और मुंबई के बीच ट्रेन और हवाई सेवा, सरकार ले सकती है फैसला

मुंबई, दिल्ली में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार अब दिल्ली शहर से आने जाने वाली फ्लाइट और ट्रेनों की आवाजाही को कुछ समय के लिए बंद कर सकती है। इस प्रकार की चर्चा शुक्रवार दोपहर से महाराष्ट्र के मंत्रालय में चल रही है। हालांकि इस बारे में अभी तक आधिकारिक रूप से कोई भी बात सामने नहीं आ पाई है। वहीं रेल मंत्रालय की तरफ से इस खबर को पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। रेलवे ने कहा है कि उन्होंने इस प्रकार का कोई भी फैसला नहीं लिया है।

कोरोना को देखते हुए लिया जा सकता है फैसला

महाराष्ट्र में भी दिवाली के बाद से कोरोना के मामलों में इजाफा देखा जा रहा है। खासतौर पर मुंबई, पुणे के अलावा जलगांव में कोरोना के मामलों में वृद्धि दर्ज की जा रही है।

ऐसे में हालात बेकाबू ना होने पाए इसलिए प्रशासन पहले से ही मुस्तैद है। इसके अलावा दिल्ली में जिस प्रकार से कोरोना के मामले बढ़ें हैं। वह महाराष्ट्र और मुंबई के लिए मुश्किल पैदा कर सकते हैं। इसी बात के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार यह फैसला ले सकती है। इस बात की भी संभावना जताई जा रही है कि हवाई जहाज और ट्रेनों की आवाजाही पर आज शाम तक महाराष्ट्र सरकार फैसला ले सकती है।

कई न्यूज़ चैनलों ने चलाई खबर

दिल्ली और मुंबई के बीच में हवाई जहाज और ट्रेन की आवाजाही को बंद किया जा सकता है। यह खबर मुंबई में कई चैनलों की सुर्खियां बनी है। एबीपी न्यूज़ चैनल ने भी यह दावा किया है कि ट्रेन और हवाई यातायात को फिलहाल बंद किया जा सकता है।

महाराष्ट्र सरकार भेज सकती है प्रस्ताव इस बाबत महाराष्ट्र सरकार संबंधित मंत्रालयों को प्रस्ताव भेज सकती है। जिसमें वह यह जिक्र कर सकती है कि कोरोना के खतरे को देखते हुए दिल्ली से मुंबई आने जाने वाली ट्रेन सेवाओं को और हवाई यातायात को बंद किया जाए। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि महाराष्ट्र सरकार के इस प्रस्ताव पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय और रेल मंत्रालय क्या फैसला लेते हैं। फिलहाल अभी इन बातों से पर्दा उठना बाकी है।

महाराष्ट्र सरकार ने बिजली बिल बकाया को लेकर जांच के आदेश दिये

मुंबई, बिजली बिल के बकाये में वृद्धि के लिए महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली पिछली सरकार को दोषी ठहराते हुए राज्य के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सरकारी बिजली कंपनी की बकाया राशि को लेकर जांच के आदेश दिये हैं। राउत ने यहां पत्रकारों से कहा कि बिजली के लंबित बिल के मुद्दे को लेकर बृहस्पतिवार को राज्य कैबिनेट ने विचार-विमर्श किया था। उन्होंने राज्य की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार को दोषी ठहराते हुए कहा, ''मार्च 2014 के अंत तक, राज्य में बिजली का लंबित बकाया 14,154.5 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 59,149.8 करोड़ रुपये हो गया है।'' भाजपा महाराष्ट्र में अक्टूबर 2014 से 2019 तक सत्ता में थी और ऊर्जा विभाग पार्टी के पास था। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक के दौरान लंबित बिजली बिलों के मुद्दे पर चर्चा की गई और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जी ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं। हम निश्चित रूप से इसकी जांच करेंगे।'' राउत ने भाजपा के उन दावों का भी खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि पिछली देवेन्द्र फडणवीस सरकार के दौरान ऊर्जा विभाग की कंपनियों ने अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने आरोप लगाया, ''उनकी निगरानी में कंपनियों का मुनाफा धीरे-धीरे कम होता गया।'' बिजली बिलों में वृद्धि के मुद्दे पर भाजपा के विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि अगर पार्टी केन्द्र के खिलाफ प्रदर्शन करती है तो वह खुश होंगे। राउत ने आरोप लगाया कि केंद्र ने जीएसटी में से महाराष्ट्र का 28,000 करोड़ रुपये का हिस्सा नहीं दिया है। राउत ने कहा कि ऊर्जा विभाग ने केंद्र से 10,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी मांगी थी, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। मंत्री ने हालांकि कहा कि बिजली बिलों में वृद्धि के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं को उनके कार्यालय में आना चाहिए और वह बिलों की जांच करवाएंगे।

सीएम उद्धव के निर्देश - ऊर्जा विभाग के पांच साल के कामकाज की होगी जांच

मुंबई। बिजली बिलों को लेकर भाजपा के आक्रमक रुख के बाद अब राज्य की महा आघाडी सरकार ने फडणवीस सरकार के दौरान बिजली विभाग को हुए फायदा-नुकसान की जांच कराएगी। राज्य के ऊर्जा मंत्री नितीन राऊत ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने जांच कराने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को मंत्रालय पत्रकार कक्ष में पत्रकारों से बातचीत में राऊत ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में बिजली उत्पादन में हुए खर्च व नुकसान की जांच होनी चाहिए जिससे आज हमें ज्ञान दे रहे लोगों का असली ज्ञान सबके सामने आ सके।

नहीं भेजे गए हैं ज्यादा बिजली बिल लॉक डाउन के दौरान आए बिजली बिलों में राहत के सवाल पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि ज्यादा बिल नहीं भेजे गए। बिजली बिल को लेकर जिनकी भी शिकायतें थी, उसे दूर किया गया है। हम अभी भी बिजली बिलों में गलती सुधारने को तैयार हैं। जिसको लगता है ज्यादा बिल आया है, हम उसकी जांच को तैयार हैं। उन्होंने बताया कि 11 लाख से ज़्यादा बिजली उपभोक्ताओं की शिकायत आई थी जिसमें से 37 हजार को छोड़ कर सभी शिकायतों का निपटारा हो चुका है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि फिल्म अभिनेत्री तापसी पन्नू, सुप्रसिद्ध

गायिका आशा भोसले और तुषार गांधी जैसे लोगों ने भी अधिक बिजली बिल की शिकायत की थी। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने उनके घर जाकर उनकी शिकायतें दूर की हैं। राऊत ने कहा कि भाजपा बिजली बिल को लेकर राजनीति न करें।

बकाया वसूली के लिए सरकार चलाएगी अभियान ऊर्जा मंत्री ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में बकाया बिजली बिलों की वसूली के लिए सरकार ने एक नीति तैयार की है। बिजली बिल वसूली में मदद करने वाली ग्राम पंचायतों को 30 फीसदी रकम दी जाएगी। पालक मंत्रियों को भी वसूल होने वाले बिजली बिल की रकम विकास कार्यों के लिए दी जा सकेगी। राऊत ने कहा कि बकाया बिजली बिलों का भार पिछली सरकार ने हमारे सिर मढ़ा है। उन्होंने कहा कि बकाया बिजली बिलों की वसूली के लिए हम अभियान शुरु करेंगे। बकाया बिल वसूल करने में मदद करने वाले सरपंचों का सम्मान भी किया जाएगा। कोरोना संकट के बाद 100 यूनिट मुफ्त बिजली पर फैसला ऊर्जा मंत्री ने 100 यूनिट मुफ्त बिजली योजना के बारे में कहा कि इसके लिए मैंने अधिकारियों की एक समित गठित की थी। कोरोना संकट के कारण अभी तक इस समिति की रिपोर्ट नहीं मिल सकी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के पाप और कोरोना संकट के कारण अभी तक हम अपना यह वादा पूरा नहीं कर सके हैं। कोरोना संकट के बाद इस बाबत फैसला लिया जाएगा। ऊर्जामंत्री ने कहा कि इससे सालाना करीब 6 हजार करोड़ का भार पड़ेगा।

मच्छर भगाने के केमिकल फ्री और प्राकृतिक तरीके

परिवार को सेहतमंद बनाए रखने के लिए जरूरी होता है कि घर में ताजी हवा का प्रवेश हो। इसके लिए आप दिन में कुछ घंटे अपने घर के सभी दरवाजे और खिड़कियां खोल दें। इससे घर की बासी हवा बाहर जा पाएगी और घर में ताजी हवा का प्रवेश होगा। यह ताजी हवा घर में नमी, दीमक और कॉक्रोच जैसे कीट पैदा होने से रोकती है। साथ ही घर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है, जिससे परिवार के सभी सदस्य मेंटली फ्रेश और लाइट फील करते हैं...

जब घर में वेंटिलेशन और ताजी हवा के लिए खिड़की-दरवाजे खोलने हों तो इस बात का पूरा ध्यान रखें कि घर में मच्छरों का प्रवेश ना हो। यह काम बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है। बस आपको मच्छरों की एक नैचरल हैबिट के बारे में जानना है। वह ये है कि मच्छर हों या बरसाती कीड़े दिन में अंधेरे की तरफ और रात में रोशनी की तरफ आकर्षित होते हैं। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें...

मच्छरों से बचाव के लिए क्या करें

-बारिश के कारण इन दिनों मच्छरों का प्रकोप भी बहुत अधिक बढ़ गया है। इसलिए सुबह और शाम के समय दरवाजे खोलते हुए मच्छरों की टेंशन होना आम बात है। यहां जानें मच्छरों के आतंक से कैसे बचा जा सकता है...

-सुबह के समय जब आप घर की खिड़कियां और दरवाजे खोलें तो घर की सभी लाइट्स ऑन कर दें। क्योंकि सुबह के समय मच्छर रोशनी अंधेरे की तरफ आते हैं।

- यदि आप दरवाजे खोलेंगे और लाइट्स बंद रखेंगे तो घर में मच्छर आएंगे। लेकिन यदि घर के अंदर बाहर से अधिक रोशनी लगेगी तो मच्छर घर में नहीं आएंगे या बहुत की कम आएंगे।

-हल्के रंग के कपड़ें पहनें। जैसे, लाइट पिंक, लाइट यलो, वाइट आदि। हल्के रंग के कपड़ों पर मच्छर कम आते हैं। साथ ही आप जिन कपड़ों को रात को पहनकर सोएं वे ढीले, आरामदायक और पूरी बाजुओं के होने चाहिए। ताकि मच्छरों को आपकी बॉडी पर कम से कम खुला स्पेस मिले।

शाम के समय क्या करें

-शाम के समय जब घर के दरवाजे और खिड़कियां खोलें तो कुछ समय के लिए घर की सभी लाइट्स ऑफ कर दें। क्योंकि शाम के समय मच्छर अंधेरे से रोशनी की तरफ आते हैं। इसलिए अगर घर में अंधेरा होगा तो बाहर से मच्छर नहीं आएंगे या बहुत कम आएंगे।

-आप शाम के समय खिड़की-दरवाजे खोलने के बाद घर में धूप (कपूर और गुग्गुल) कर सकते हैं।

इससे घर का वातावरण साफ भी होगा और शांत भी। साथ ही मच्छर घर के अंदर बिल्कुल नहीं आएंगे।

और कौन-से तरीके हैं?

- बरसात के मौसम में घर की बालकनी से गमले हटा दें। इन्हें छत पर रख दें।

यदि ऐसा संभव ना हो तो हर दिन गमलों की सफाई करें और इनमें अतिरिक्त पानी इक्ट्ठा ना होने दें।

-यदि घर में कूलर का उपयोग करते हैं तो कूलर में नियमित रूप से ताजा पानी भरें। साथ ही समय-समय पर कूलर का पूरा पानी निकालकर इसे सुखने के लिए कुछ समय धूप में खुला करके भी रखें। ताकि मच्छरों के अंडे यानी लार्वा अगर इसमें पनप रहे हों तो धूप से खत्म हो जाएं।

-घर से मच्छर भगाने के लिए क्वाइल्स, कीटनाशक और अलग-अलग तरह की

सोनल झालावाड़िया

इलेक्ट्रिकल मशीन्स का उपयोग भी किया जाता है। यदि आप इन सबका उपयोग नहीं करना चाहते हैं तो सोने से पहले पूरे कमरे में मॉस्किटो रैकेट से मच्छर मार दें। यह रैकेट आपको किसी भी बिजली के सामान की शॉप पर आराम से मिल जाएगा।

-इस तरह मच्छर मारने से मच्छरों से बचाव भी होगा और किसी भी तरह के हानिकारक केमिकल्स सांस के जरिए आपके शरीर में प्रवेश नहीं करेंगे। इससे आप सिरदर्द, बेचैनी, मितली और घबराहट जैसी समस्याओं से बचे रहेंगे।

-मच्छर भगाने के लिए आप अपने शरीर पर नीम के तेल का उपयोग कर सकते हैं। इसे शरीर पर लगाने से ना तो पिंपल्स की समस्या होगी और ना ही मच्छर काटेंगे। लेकिन यदि गर्मी के कारण आप ऐसा ना करना चाहें तो नीम के तेल के साथ दीपक जला दें। इससे तेल धीरे-धीरे हवा में मिक्स होता रहेगा, जिससे मच्छर भी भागेंगे और सांस से जुड़ी समस्याएं भी नहीं होगीं।

घर में 2 बार करें ये काम, कोरोना से होगी सेफ्टी

कोरोना के कारण देश और खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर में जिस तरह की स्थितियां बन रही हैं, उनसे एक बात तो साफ है कि आनेवाले कई महीनों तक हम कोरोना से बचने के लिए जितने भी प्रयास कर सकें हमें करने चाहिए नहीं तो जरा-सी लापरवाही हमें इस संक्रमण का मरीज बना सकती है।

साफ-सफाई और हाइजीन की बात बहुत हो चुकी है और हम सभी जानते हैं कि मास्क-सेनिटाइजर-कैप और गॉगल हमारे लिए कितने जरूरी हैं। लेकिन घर की हाइजीन के बारे में कम ही लोगों को जानकारी है। आइए आज इस बारे में ही बात करते हैं कि घर को कोरोना संक्रमण से फ्री रखने के लिए सेनिटाइजेशन के अलावा और किन चीजों का ध्यान रखना है...

घर में दोनों वक्त करें ऐसा

-अभी जून का महीना है और तेज गर्मी का सीजन है। लेकिन जिस तरह से बारिश बार-बार आ रही है, उसने नमी, घुटन और उमस बढ़ा दी हैं। इसलिए जरूरी है कि आप सुबह के समय में धूप तेज होने से पहले अपने घर के सभी दरवाजे और खिड़कियां खोल दें।

-शाम के समय सूरज ढलने के समय भी सभी खिड़कियां और दरवाजे कुछ समय के लिए खुले रखें। ऐसा करने से घर में प्रॉपर वेंटिलेशन होगा और आपके घर की हवा साफ बनी रहेगी।

मच्छरों से बचाव के लिए क्या करें -बारिश के कारण इन दिनों मच्छरों का प्रकोप भी बहुत अधिक बढ़ गया है। इसलिए सुबह और शाम के समय दरवाजे खोलते हुए मच्छरों की टेंशन होना आम बात है। यहां जानें मच्छरों के आतंक से कैसे बचा जा सकता है...

-सुबह के समय जब आप घर की खिड़कियां और दरवाजे खोलें तो घर की सभी लाइट्स ऑन कर दें। क्योंकि सुबह के समय मच्छर रोशनी से अंधेरे की तरफ आते हैं। - यदि आप दरवाजे खोलेंगे और लाइट्स बंद रखेंगे तो घर में मच्छर आएंगे। लेकिन यदि घर के अंदर बाहर से अधिक रोशनी लगेगी तो मच्छर घर में नहीं आएंगे या बहुत की कम आएंगे।

शाम के समय क्या करें

-शाम के समय जब घर के दरवाजे और खिड़कियां खोलें तो कुछ समय के लिए घर की सभी

लाइट्स ऑफ कर दें। क्योंकि शाम के समय मच्छर अंधेरे से रोशनी की तरफ आते हैं। इसलिए अगर घर में अंधेरा होगा तो बाहर से मच्छर नहीं आएंगे या बहुत ही कम आएंगे।

घर में भी बरतें सावधानी

-घर में यदि किसी को सामान्य खांसी या जुकाम है तब भी उस फैमिली मेंबर का पूरा ध्यान रखें और अपना बचाव करें। मौसम बदलने या बारिश में भीग जाने के कारण कोल्ड हो जाना कोई नई बात नहीं है। लेकिन आज के समय में इम्युनिटी कमजोर होना यानी कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ना।

कुछ समय नॉनवेज ना खाएं

-अभी जिस तरह की स्थितियां चल रही हैं, उनमें जितना हो सके नॉनवेज खाने से परहेज करें। मीट मार्केट और फिश मंडी से दूरी बनाए रखें। ऐसा इसलिए क्योंकि इन बाजारों के वातावरण में आमतौर पर सामान्य से अधिक नमी और स्मेल होती है। ये दोनों ही स्थितियां कोरोना संक्रमण फैलाने में सपॉर्ट करती हैं।

अब कद्दू का फेस पैक लगाकर पाइए ग्लोइंग सकिन

कद्दू एक ऐसी सब्जी है, जो हर घर में बनाई और चाव के साथ खाई जाती है। इसमें ढेर सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आपके शरीर को रोगों से लड़ने में मदद करते हैं। । कद्दू की एक खास बात है कि आप इसे अपने चेहरे पर भी लगा सकती हैं। जी हां, इसे नियमित सकिन पर लगाने से सकिन बेदाग, चमकदार और जवां बनी रहती है।कद्दू से बना फेस पैक हर टाइप की सकिन के लिए बेहद प्रभावशाली माना जाता है। आज हम आपको कद्दू से बने कुछ ऐसे फेस पैक बनाना सिखाएंगे, जिससे आपकी सकिन पलभर में ही बेदाग, गोरी और टोन्ड हो जाएगी।

1. कद्दू और दही का फेस पैकः

कद्दू के कुछ छोटे पीस लें, फिर उन्हें अच्छी तरह से मैश करें और उसमें 2 बड़े चम्मच दही मिलाएं। यदि आप चाहें तो इसमें 1 चम्मच शहद भी मिला सकती हैं। अच्छी तरह से मिलाएं और चेहरे पर लगाएं और आधे घंटे के बाद धो लें। इससे आपकी सकिन को विटामिन का अच्छा डोज मिलेगा और सकिन चिकनी बनेगी।

2. कद्दू, नींबू, और विटामिन ई फेस पैकः

कद्दू के कुछ टुकड़े लेकर मैश करें। फिर इसमें विटामिन ई के दो से तीन कैप्सूल डालें। इसमें थोड़ा सा नींबू निचोड़ें। सब कुछ अच्छी तरह से मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। फिर 20 मिनट के बाद चेहरा धो लें।

3. कद्दू और अंडे का फेस पैकः

थोड़ा सा कद्दू लेकर उसे मैश करें। इसमें एक अंडे का सफेद भाग डालें। एक बड़ा चम्मच शहद मिलाएं और चिकना पेस्ट बनाएं। चेहरे और गर्दन पर लगाकर 20 मिनट तक रखें और फिर धो लें। इससे आपका चेहरा टोन्ड और चमकदार बनेगा।

4. कद्दू और ओटमील फेस पैकः

यह एक प्रभावी एक्स-फोलीएटिंग फेस पैक है, जो सकिन से डेड सेल्स को निकालता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए कद्दू के कुछ टुकड़ों को पीस लें और उसमें 1 बड़ा चम्मच ओटमील पाउडर और 1 बड़ा चम्मच शहद मिलाएं। अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद चेहरे पर लगाएं। 30 मिनट के बाद फेस क्लीन कर लें। नियमित उपयोग से चेहरा चमकदार और गोरा बनेगा।

5. कद्दू और दालचीनी फेस पैकः

उबले हुए कद्दू के 3 से 4 क्यूब्स लें, उसमें 1 टेबलस्पून शहद, 1 बड़ा चम्मच दूध, 1/2 टेबलस्पून दालचीनी पाउडर मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पैक को साफ चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। यह एक बहुत ही हाइड्रेटिंग फेस पैक है, जो चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाकर चेहरे को निखारता है।

वजन बढ़ाने के लिए घर पर ही ट्राय करें ये खास प्रोटीन शेक

दुबला पतला शरीर इंसान के आत्मविश्वास को भी कमजोर कर देता है। हालांकि, दुबलेपन और फिट रहने में काफी अंतर होता है, इसलिए यह बात समझना बहुत जरूरी है कि आपकी फिटनेस बरकरार रहे और आप दुबलेपन का शिकार भी ना रहें। एक मजबूत और हष्ट पुष्ट शरीर आपको कई प्रकार की बीमारियों से बचाए रख सकता है। अगर आप पतले हैं तो आपको अपने शरीर का जरूरी वजन बढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए। इसके लिए यहां आपको एक होममेड प्रोटीन शेक के बारे में बताया जा रहा है जिसे आप घर पर ही तैयार कर सकते हैं। एक्सरसाइज करने के बाद नियमित रूप से इसका सेवन करने का असर आपकी फिटनेस पर प्रभावी रूप से देखने को मिल सकता है। कैसे तैयार करेंगे प्रोटीन शेक इस प्रोटीन शेक को घर में रखे हुए कुछ खास खाद्य पदार्थों से तैयार किया जा सकता है। यह खाद्य पदार्थ आपके घर में नहीं है तो आप इसे ग्रॉसरी शॉप से भी खरीद सकते हैं। इसके लिए आपको दूध, फ्लैक्सीड पाउडर और चॉकलेट पाउडर की जरूरत पड़ेगी। फ्लैक्सीड पाउडर न मिलने की स्थिति में इसके बीज से ही घर पर इसका पाउडर तैयार कर लें। इस प्रोटीन को तैयार करने के लिए ग्राइंडर में दूध डालें। इसके बाद फ्लैक्सीड पाउडर और चॉकलेट पाउडर को ग्राइंडर में डालकर कम से कम 5 मिनट तक चलाएं। जब यह प्रोटीन शेक तैयार हो जाए तो इसे एक गिलास में निकालें और इसका सेवन करें। एक्सरसाइज करने के बाद इस प्रोटीन शेक का सेवन कुछ ही दिनों में अपना असर दिखाना शुरू कर देगा। बॉडी फिटनेस के लिए कैसे काम करेगा यह प्रोटीन शेक इसे बनाने के तरीके के बारे में तो आप जानते हैं लेकिन अब आपको यह भी जरूर जान लेना चाहिए कि यह वजन बढ़ाने के लिए कैसे काम करेगा। बॉडी बिल्डिंग के दौरान हमारे शरीर में पुरानी कोशिकाएं टूटती हैं और उसके बाद नई कोशिकाएं बनना शुरू होती हैं।

इस प्रक्रिया में दूध वफ्लैक्सीड में मौजूद प्रोटीन और वजन बढ़ाने के लिए जरूरी अन्य पोषक तत्व बड़ी आसानी से मिल जाते हैं। यह बॉडी को एनर्जेटिक बनाए रखने के साथ-साथ नई कोशिकाओं के निर्माण में भी मदद करते हैं। इसका सीधा असर वजन बढ़ाने के लिए प्रभावी रूप से कार्य करता है। इस दौरान एक बात का विशेष ध्यान रखें कि आप इसे एक्सरसाइज के पहले और बाद भी पी सकते हैं। जिन लोगों को पाचन क्रिया से जुड़ी समस्याएं हैं, वे लोग भी इसका सेवन कर सकते हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : संबंधों को निभाने पर रहेगा जोर, मेष राशि के जातकों को सप्ताह में अनेक खुशखबरियां मिलने वाली हैं। सप्ताह में आपका फोकस संबंधों को निभाने पर रहेगा। बिगड़े संबंध सुधारने के लिए आप बहुत प्रयास करेंगे और उनमें कामयाब भी होंगे। नया कार्य व्यवसाय प्रारंभ करने से पहले अच्छे से जांच पड़ताल कर लें।

वृष : आय के नए साधन प्राप्त होंगे वृषभ राशि के व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े जातकों के लिए फरवरी का पहला सप्ताह शुभ है। कार्य-व्यवसाय से लाभ, विस्तार की योजना सफल होगी। नौकरीपेशा को बॉस से अच्छे संबंधों का लाभ वेतनवृद्धि के रूप में मिलेगा। जिन युवाओं ने नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रखा है, उन्हें सकारात्मक जवाब मिल सकता है।

मिथुन : धन उधार लेना पड़ सकता है मिथुन राशि के जातकों को सप्ताह में परिवार के बुजुर्गों, पिता या चाचा आदि से कुछ धन लेने की जरूरत पड़ सकती है। विदेश में नौकरी करने के इच्छुक युवाओं को विदेशी कंपनियों से जॉब ऑफर आ सकता है। सेहत के लिए सप्ताह सामान्य है।

कर्क : संबंधों से तनाव दूर करने का प्रयास करें कर्क राशि के जातक अपने आत्मविश्वास और ऊर्जा का प्रयोग शुभ कार्यों में करेंगे तो निश्चित रूप से लाभ हासिल करेंगे। यदि गलत दिशा में जाएंगे तो उसका खामियाजा भी भुगतना पड़ेगा। सद्कार्यों में धन लगाएं। पारिवारिक जीवन में अच्छी स्थितियां बनेंगी।

सिंह : खर्च की अधिकता से परेशान रहेंगे सिंह राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने लक्ष्य पूरे करने के लिए अधिक मेहनत करने की जरूरत है। स्टूडेंट्स को परीक्षाओं में सफल होने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होंगे। वैवाहिक जीवन में पत्नी के साथ बिगड़े संबंध सुधारने की जरूरत है। संतान के साथ संबंध सुखद बनेंगे।

कन्या : कठोर वाणी से किसी को चोट न पहुंचाएं कन्या राशि के जातकों को फरवरी के इस पहले सप्ताह में यात्राएं अधिक करना पड़ेंगी। नौकरी, व्यावसायिक या पारिवारिक कार्यों से यात्राओं पर जाना पड़ेगा। आर्थिक निवेश करने के लिए वक्त अच्छा है। सेहत के मामले में सप्ताह ठीक नहीं है।

तुला : अटक सकती है विवाह की बात तुला राशि के लिए सप्ताह आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करने वाला रहेगा। किसी बड़े प्रोजेक्ट में धन लगाएंगे तो लाभ अर्जित करेंगे। सेहत के लिए सप्ताह ज्यादा अच्छा नहीं है। बीमारियों पर खर्च बढ़ने की आशंका नजर आ रही है। जीवनसाथी के साथ मनमुटाव बढ़ेगा।

वृश्चिक : धन की आवक सामान्य रहेगी वृश्चिक राशि के जातकों के लिए नए सप्ताह के शुरुआती तीन दिन आत्मविश्वास बढ़ाने वाले रहेंगे। आपके कार्यों को सर्वत्र सराहना मिलेगी। कोई बड़ा कार्य पूरा हो जाने से मानसिक सुख शांति महसूस करेंगे। सेहत में सुधार आएगा। सप्ताह के अंत में भूमि, भवन, संपत्ति, वाहन सुख की प्राप्ति होगी।

धनु : प्रतिद्वंद्वियों से रहें सावधान धनु राशि वालों को सप्ताह शुरू होते ही कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आपके धन भंडार में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। सामाजिक जीवन में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नवदंपतियों को संतान सुख की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपको कुछ महत्वपूर्ण कार्यों पर धन खर्च करना पड़ेगा।

मकर : मानसिक परेशानियां आएंगी मकर राशि वालों के लिए नया सप्ताह मिलाजुला रहेगा। सप्ताह के शुरुआती दो दिनों में आपकी शारीरिक क्षमताओं में बढ़ोतरी होगी। इससे आप अपने अब तक के सभी अटके हुए कार्यों को पूरे कर पाएंगे। सेहत के लिहाज से सप्ताह ठीक है। आप ऊर्जावान महसूस करेंगे, आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा।

कुंभ : कर्ज चुकाने में सफल होंगे कुंभ राशि के जातकों को सप्ताह में पारिवारिक समागम में शामिल होना पड़ेगा, जिससे अन्य कार्यों के लिए वक्त कम मिल पाएगा। इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी। नौकरीपेशा लोग प्रसन्न् रहेंगे। व्यापारियों को सामान्य लाभ रहेगा।

मीन : मन में प्रसन्नता रहेगी मीन राशि के जातकों को सप्ताह में भागदौड़ अधिक रहेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छी सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में पार्टनर के साथ अच्छे संबंध रहेंगे। यदि पहले से कोई विवाद है तो उसे सुलझाने में कामयाब होंगे।

चुटकुले

चाहे कितने ही महंगे हॉस्पिटल क्यों ना चले जाओ......डॉक्टर को दिखाने के लिए तो स्टूल पर ही बैठना पड़ेगा।

जो खुद गुलाब है, उसे क्या गुलाब दूं......ऐसा बोलकर रोज डे पर पति ने 50 रुपये बचा लिए।

जिन जिनकी गर्लफ्रेंड है, उन सबको हैपी रोज़ डे......और जो सिंगल हैं, भगवान उनके लिए खोज दे।

पप्पू अपनी मां के साथ रेस्ट्रॉन्ट खाना खाने गया। वहां एक आदमी सिगरेट पी रहा था।
पप्पूः आप सिगरेट बाहर जाकर पी लीजिए। मेरी ममी मेरे साथ है।
शख्सः ...तो क्या हुआ?
पप्पूः ...तो मेरा भी मन पीने का हो रहा है।

कौन हैं एमके अलागिरी? तमिलनाडु में कमल खिलाने के लिए जिनपर टिकी हैं अमित शाह की नजरें

अगले साल विधानसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु की राजनीति करवट ले रही है। करुणानिधि के बेटे एमके अलागिरी के अपनी अलग पार्टी बनाने की चर्चा जोरों पर है। दूसरी तरफ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी आज चेन्नै में हैं। शाह की रजनीकांत से मुलाकात होनी है और उनके अलागिरी से मिलने की भी चर्चा है। अब इसे संयोग कहा जाए या राजनीति की बाजी पर चली जा रहीं चालें, मगर कयास लग रहे हैं कि बीजेपी और अलागिरी की पार्टी में गठबंधन हो सकता है। कुल मिलाकर अलागिरी फिलहाल तमिलनाडु की राजनीति के केंद्र में हैं। वे कौन हैं और डीएमके को कितनी चोट पहुंचा सकते हैं, अब राज्य की सियासत का रंग क्या होगा, आइए समझते हैं।

कौन हैं एमके अलागिरी? भाई से क्यों है लड़ाई?

अलागिरी तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (DMK) सुप्रीमो रहे करुणानिधि और उनकी दूसरी पत्नी दयालु अम्मल के बेटे हैं। अलागिरी तमिलनाडु में कैबिनेट मंत्री तक रह चुके हैं। 2009 में मदुरै से लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे अलागिरी को केंद्र में कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया था। करुणानिधि हमेशा राजनीतिक मामलों में स्टालिन को आगे करते रहे। इससे अलागिरी की नाराजगी बढ़ती रही। 2014 में करुणानिधि ने अलागिरी को पार्टी से बाहर कर दिया था। 2018 में जब करुणानिधि का निधन हुआ तो अलागिरी ने यहां तक कह दिया था कि स्टालिन के नेतृत्व में पार्टी बर्बाद हो जाएगी।

स्टालिन और अलागिरी में क्यों हुआ टकराव?

तमिलनाडु की राजनीति में करुणानिधि की राजनीति का उत्तराधिकार स्टालिन को मिला। पार्टी का सारा कामकाज भी वही देखते रहे।

अलागिरी और स्टालिन ने मदुरै में ही राजनीति की शुरुआत की। एमजीआर की मौत के बाद स्टालिन अपना राजनीतिक करियर बनाने में लग गए, मगर अलागिरी ने मदुरै नहीं छोड़ा। वहीं, स्टालिन चेन्नै में रहकर पार्टी पर अपनी पकड़ बनाए रहे। स्टालिन अपने पिता के साथ ही रहते थे इसलिए उन्होंने पार्टी का काम देखना शुरु कर दिया। अलागिरी का मदुरै प्रेम उनसे छूटा नहीं। वे ज्यादातर समय मदुरै में गुजारते हैं। करुणानिधि के जीवित रहते ही दोनों भाइयों के बीच तल्खी चरम पर पहुंच चुकी थी। कई बार समझौते की कोशिश हुई लेकिन बात नहीं बनी। आखिरकार 2014 में पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते अलागिरी को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

परिवार में दरार से डीएमके को चुनाव में मिली हार

करुणानिधि परिवार में टकराव का असर 2016 के चुनाव में देखने को मिला। AIADMK को 134 सीटें मिलीं जबकि डीएमके को 89 सीटें ही मिलीं। 1984 के बाद राज्य में पहली बार ऐसा हुआ था जब कोई पार्टी सत्ता में वापस लौटी हो। वर्ना हर बार पांच साल में सरकार बदल जाती थी। डीएमके की हार के पीछे दोनों भाइयों में दरार को वजह माना गया।

नई पार्टी बनाना चाहते हैं अलागिरी, DMK बेफिक्र

द इंडियन एक्सप्रेस ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि अगर सबकुछ ठीक रहता है तो अलागिरी मदुरै में अपने समर्थकों के बीच नई पार्टी का ऐलान करेंगे। इसका नाम 'कलैगनार डीएमके' हो सकता है। हालांकि इस बारे में स्टालिन को भी पता है और वह इसे नजरअंदाज कर रही है। डीएमके के एक नेता ने एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, "उन्हें बीजेपी में जाने दीजिए। अलागिरी छह साल तक कहीं पिक्चर में नहीं थे। उनकी कोई सीट नहीं है, कोई समर्थक नहीं हैं, न ही पैसा है। इससे तमिलनाडु की राजनीति पर कोई असर नहीं होगा, सिवाय एक-दो दिन हेडलाइन बनने के।"

बीजेपी के साथ जा सकते हैं अलागिरी

बीजेपी ने 2014 में केंद्र की सत्ता हासिल करने के साथ ही देशभर में अपनी पैठ बनाने की कवायद तेज कर दी थी। पार्टी दक्षिण में अभी तक प्रभाव नहीं जमा पाई है। तमिलनाडु और केरल, दोनों ही जगह उसे अपनी जड़ें मजबूत करनी हैं। बीजेपी ने कांग्रेस की खुशबू सुंदर को अपने पाल में कर लिया है। अब उसकी नजरें एमके अलागिरी पर हैं। गठबंधन को लेकर दोनों के बीच बातचीत भी चल रही है। केंद्रीय गृह मंत्री की शनिवार को अलागिरी से मुलाकात हो सकती है जिसमें आमने-सामने बैठकर तमिलनाडु की सियासत में एक बड़े फ्रंट को अमलीजामा पहनाया जा सकता है। शाह के रजनीकांत से भी मुलाकात करने की संभावना है।

तमिलनाडु की राजनीति में कितना बदलाव करेंगे अलागिरी?

अलागिरी लंबे समय तक लाइमलाइट से दूर रहे हैं। आखिरी बार उन्होंने पिता की मौत के महीने भर बाद, सितंबर 2018 में चेन्नै में एक बड़ी रैली की थी। स्टालिन का पार्टी नेताओं और परिवार में ज्यादा प्रभाव है। सूत्रों के मुताबिक, दया निधिमारन से लेकर कनिमोझी तक का समर्थन उन्हें हासिल है। बीजेपी का प्लान एक तमिल पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का है। अगर अलागिरी संग उसके समीकरण फिट बैठते हैं दोनों एक साथ मैदान में उतर सकते हैं। अगर अलागिरी की पार्टी डीएमके के वोट काटती है तो AIADMK को नुकसान होगा। बीजेपी के लिए इसमें कहीं से घाटा नहीं है मगर अलागिरी का क्या होगा, यह देखने वाली बात होगी।

दक्षिणी तमिलनाडु में अलागिरी का दिखेगा असर?

अलागिरी जब डीएमके में थे तो दक्षिण जोन की कमान उनके हाथ में थी लेकिन वह पिछले छह साल से राजनीतिक पटल से दूर हैं। हालांकि बीजेपी ने 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके को हराने का जो टारगेट रखा है, उसमें अलागिरी उसके काम आ सकते हैं। अलागिरी की मदुरै वाले इलाके में पकड़ है। स्टालिन के सामने अलागिरी सबसे तगड़ी चुनौती दक्षिणी तमिलनाडु में ही पेश कर सकते हैं।

वहां पर बीजेपी का साथ मिलने से अलागिरी की ताकत और बढ़ सकती है। अब यह देखने वाली बात होगी कि अलागिरी अपने दम पर कितने वोट जुटा पाते हैं या डीएमके के कितने वोट काट पाते हैं। बीजेपी शायद उन्हें दक्षिणी तमिलनाडु में फायदेमंद मानकर चल रही है तभी गठबंधन को लेकर बातचीत इतनी आगे बढ़ी है। तमिलनाडु में हर पांच साल में सत्ता डीएमके या AIADMK के बीच बदलती रहती है, यानी राजनीतिक उठापटक कभी थमती नहीं। ऐसे में बीजेपी अलागिरी को साथ लेकर एक तीसरा मोर्चा खड़ा करना चाहती है।

कानूनी लड़ाई हारे डोनाल्ड ट्रंप अब 'स्लो मोशन तख्तापलट' में जुटे, जो बाइडेन से जीत छीनने की नई रणनीति

चिदानंद राजगट्टा, वॉशिंगटन, मिशिगन के रिपब्लिकन सांसदों की शुक्रवार को वाइट हाउस में पेशी हुई। दरअसल, चुनाव में हार चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब तक कुर्सी बचाने की जुगत में लगे हुए हैं। अब मिशिगन के सांसदों से कहा जा रहा है कि जो बाइडेन-कमला हैरिस को मिला बहुमत स्वीकार करने की जगह मिशिगन के 16 वोट ट्रंप को दिए जाएं। रिपब्लिकन खेमा अभी भी यह दावा कर रहा है कि चुनाव में धांधली की गई जबकि कोर्ट में यह साबित नहीं किया जा सका है।

ऐसा ही 20 इलेक्टोरल वोट वाले पेन्सिल्वेनिया और 10 इलेक्टोरल वोट वाले विस्कॉन्सिन में किया जा रहा है। यहां बाइडेन की जीत हो चुकी है लेकिन इलेक्टोरल वोट्स को अपने पक्ष में करने की उम्मीद रिपब्लिकन पार्टी ने खोई नहीं है। राष्ट्रपति चुनाव में बाइडेन को 306-232 के अंतर से आगे मान लिया गया है।

'लोकतंत्र विरोध की परिभाषा'

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर ट्रंप 46 इलेक्टोरल वोटों का उलटफेर कर लेते हैं तो उनके लिए वाइट हाउस में बने रहने की संभावना भी रहेगी। कई राजनीतिक विश्लेषक ट्रंप की इस कोशिश को तख्तापलट मानते हैं। कांग्रेस के पूर्व काउंसल रहे डैनियल गोल्डमैन ने चेतावनी दी है, 'कानूनी चुनौतियां खत्म हो चुकी हैं। ट्रंप को एहसास है कि अदालतों से फायदा नहीं होगा, इसलिए वह चुने हुए अधिकारियों को लोगों के फैसले को पलटने के लिए मनाने में जुटे हैं।' डैनियल का कहना है कि यह राजनीतिक तख्तापलट ही लोकतंत्र-विरोधी होने की परिभाषा है।

आक्रामक होते जा रहे तेवर

यही नहीं, ट्रंप से जुड़े लोग अपने फॉलोअर्स से 'देश को फिर से हासिल करने' की अपील कर रहे हैं। इसे उग्रवाद को उकसाने की कोशिश माना जा रहा है। ट्रंप किस हद तक जीतने हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके गुस्से का शिकार रिपब्लिकन नेता भी हो रहे हैं। दरअसल, रिपब्लिकन खेमे में ऐसे भी लोग हैं जो ट्रंप की इन कोशिशों का विरोध कर रहे हैं। ट्रंप ने धमकी दी है कि उन्हें पार्टी के आंतरिक चुनावों में हरा दिया जाएगा। वह अपने वफादार नेताओं से लेकर उन मीडिया संगठनों पर भी आग उगल रहे हैं जो अब उनके दावों पर शक जता रहे हैं।

जल्द ही 10.5 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे किए जा सकते हैं वर्किंग आवर, संसद पहुंचा ये प्रस्ताव

नई दिल्ली, श्रम मंत्रालय ने संसद में हाल ही में पारित एक संहिता में कार्य के घंटे को बढ़ाकर अधिकतम 12 घंटे प्रतिदिन करने का प्रस्ताव दिया है। अभी कार्य दिवस अधिकतम आठ घंटे का होता है। मंत्रालय ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य शर्तें (ओएसएच) संहिता 2020 के मसौदा नियमों के तहत अधिकतम 12 घंटे के कार्य दिवस का प्रस्ताव दिया है। इसमें बीच में अल्पकालिक अवकाश (इंटरवल) भी शामिल हैं। हालांकि 19 नवंबर 2020 को अधिसूचित इस मसौदे में साप्ताहिक कार्य घंटे को 48 घंटे पर बरकरार रखा गया है। मौजूदा प्रवाधानों के तहत आठ घंटे के कार्यदिवस में कार्य सप्ताह छह दिन का होता है तथा एक दिन अवकाश का होता है। श्रम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''यह भारत की विषम जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जहां काम पूरे दिन में बंटा हुआ होता है। इससे श्रमिकों को ओवरटाइम भत्ता के माध्यम से अधिक कमाई करने की सुविधा मिलेगी।'' अधिकारी ने कहा, "हमने मसौदा नियमों में आवश्यक प्रावधान किया है ताकि आठ घंटे से अधिक काम करने वाले सभी श्रमिकों को ओवरटाइम मिल सके।'' ओएसएच संहिता के मसौदा नियमों के अनुसार, किसी भी दिन ओवरटाइम की गणना में 15 से 30 मिनट के समय को 30 मिनट गिना जायेगा। मौजूदा व्यवस्था के तहत 30 मिनट से कम समय की गिनती ओवरटाइम के रूप में नहीं की जाती है। मसौदे के अनुसार, कोई भी व्यक्ति कम से कम आधे घंटे के इंटरवल के बिना पांच घंटे से अधिक लगातार काम नहीं करेगा। सप्ताह के हिसाब से हर रोज कार्य के घंटे इस तरह से तय करने होंगे कि पूरे सप्ताह में ये 48 घंटे से अधिक न हो पायें।

नोएडा में अब शादियों में सिर्फ 100 लोग होंगे शामिल, नया आदेश

नोएडा, कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए गौतम बुद्ध नगर जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। एक तरफ जहां दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम कोरोना की रैंडम जांच कर रही है। वहीं, जिला प्रशाासन ने शनिवार को शादी समारोह व अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों की संख्या सीमित कर दी है। डीएम सुहास एलवाइ का कहना है कि अब शादी-विवाह और अन्य कार्यक्रमों में 100 ही लोग शामिल हो सकेंगे। अगर कोई भी कोविड-19 के प्रोटोकॉल का तोड़ता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शादी और दूसरे कार्यक्रमों पर निगरानी के निर्देश

डीएम सुहास एलवाई ने बताया कि शासन के निर्देश पर जिले में आयोजित होने वाले समारोह शादी-विवाह और दूसरे आउटडोर-इंडोर कार्यक्रमों में 100 से ज्यादा व्यक्ति हिस्सा नहीं ले सकेंगे। शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यह निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले सभी प्रकार के समारोह, शादियों और अन्य कार्यक्रम पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस कमिश्नर की अपील- प्रोटोकॉल का करें पालन

नोएडा के पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह का कहना है कि गौतम बुद्ध नगर में अभी कोरोना का खतरा टला नहीं है। जिले में निरंतर कोरोना के संक्रमित व्यक्ति मिल रहे हैं। उन्होंने जिले के लोगों से अपील करते हुए कहा है कि कोरोना से सुरक्षित रहने के लिए कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करें। सभी घर से बाहर निकलने पर मास्क का प्रयोग करें। इसके साथ ही मार्केट और सार्वजनिक स्थानों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूर करें। सार्वजनिक स्थानों, व्यावसायिक संस्थानों में सैनिटाइजेशन का कार्य चल रहा है। सभी साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हुए बार-बार हाथों को धोएं। कमिश्नर का कहना है कि कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन न करने वालों के खिलाफ भी पुलिस कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर रैंडम कोरोना जांच

दिल्ली में बढ़ते कोरोना मरीजों को देखते हुए गौतम बुद्ध नगर जिला प्रशासन सख्ती बरत रहा है। दिल्ली-नोएडा के बीच चिल्ला और डीएनडी पर स्वास्थ्य विभाग की टीम कोरोना रैंडम जांच कर रही है। इस दौरान कोरोना पॉजिटिव पाए जाने वाले व्यक्ति को नोएडा में एंट्री नहीं दी जा रही है।

कब तक आ रही है देसी कोरोना वैक्सीन, ट्रायल में टीका लगवाने वाले अनिल विज ने बताया

नई दिल्ली/अंबाला, भारत में बने कोविड टीके Covaxin का फेज 3 ट्रायल शुरू हो चुका है। हरियाणा में गृह मंत्री अनिल विज खुद ट्रायल में शामिल हुए हैं। उन्हें शुक्रवार को अंबाला में टीका लगाया गया। उन्होंने कहा कि ट्रायल जल्दी पूरा हो, इसके लिए वह इसका हिस्सा बने हैं। विज ने दावा किया कि भारत बायोटेक और इंडियन कांउसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) की बनाई यह वैक्सीन जनवरी के पहले सप्ताह तक सामने आ सकती है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन ट्रायल का 42 दिन का प्रोसेस है। अगर यह सफल रहती है तो वैक्सीन उत्पादन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

चार हफ्ते बाद दी जाएगी दूसरी डोज: अनिल विज

विज ने कहा, "कोवैक्सीन तीसरे और आखिरी फेज में है। 25 हजार से ज्यादा लोगों पर इसका ट्रायल किया जाना है। वॉलंटियर्स आगे जल्दी आएंगे, तो यह प्रक्रिया जल्दी पूरी हो जाएगी। मैंने इसीलिए खुद को आगे किया। ऐसे बताया जा रहा है कि जनवरी के पहले हफ्ते तक यह वैक्सीन सामने आ सकती है।" विज ने कहा कि कोवैक्सीन के लिए 2 से 8 डिग्री तक टेम्प्रेचर मेंटेन करना है इसलिए भारत में इसका वितरण आसान रहेगा। उन्होंने अपने ट्रायल शेड्यूल की जानकारी देते हुए कहा, "पीजीआई रोहतक के डॉक्टरों ने बताया वैक्सीन लेने के बाद मुझे निगरानी में रखा जाना है। मुझे चार हफ्ते के बाद दूसरे डोज दी जाएगी। फिर मेरा परीक्षण होगा कि ऐंटीबॉडी डिवेलप हुई या नहीं। इसका 42 दिन का प्रोसेस है। यह सफल रहता है तो फिर वैक्सीन बनाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।"

किसने बनाई, कैसे काम करती है ये वैक्सीन

Covaxin को हैदराबाद की भारत बायोटेक ने इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (I C M R) और नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वॉयरलॉजी (NIV) के साथ मिलकर तैयार किया है। इसका फेज 1 ट्रायल 15 जुलाई से शुरू हुआ था। Covaxin एक 'इनऐक्टिवेटेड' वैक्सीन है। यह उन कोरोना वायरस के पार्टिकल्स से बनी है जिन्हें मार दिया गया था ताकि वे इन्फेक्ट न कर पाएं। इसकी डोज से शरीर में वायरस के खिलाफ ऐंटीबॉडीज बनती हैं। ये ऐंटीबॉडीज शरीर को कोरोना इन्फेक्शन से बचाती हैं। भारत बायोटेक के एमडी डॉ कृष्णा एल्ला ने कहा था कि वैक्सीन की कीमत एक पानी की बोतल के दाम से भी कम होगी। यानी इसका मतलब है कि वैक्सीन की एक डोज 20 रुपये से ज्यादा की नहीं होनी चाहिए।

भारत में कोविड की कई वैक्सीन का चल रहा ट्रायल

देश में Covaxin के अलावा कई और कोविड वैक्सीन्स का ट्रायल चल रहा है। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया जहां ऑक्सफर्ड-एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन 'कोविशील्ड' का फेज 3 ट्रायल कर रही है। वहीं, जायडस कैडिला भी अपनी वैक्सीन ZyCov-D का ह्यूमन ट्रायल कर रही है। इसके अलावा डॉ रेड्डीज लैबोरेटरी को रूसी कोविड वैक्सीन Sputnik V के ट्रायल की इजाजत मिली है।

बैंक अकाउंट हो गया है फ्रीज, जानें कैसे करें अनफ्रीज?

कभी-कभी विधायी कार्यवश भी बैंक खाता फ्रीज होता है। कभी आयकर विभाग तो कभी अदालती आदेश से भी बैंक अकाउंट फ्रीज होते हैं।

ऐसे में आयकर विभाग (Income Tax Department) या फिर अदालत के आदेश के बाद ही अकाउंट अनफ्रीज होगा। हम आपको बता दें कि एक बार खाता फ्रिज हो जाने के बाद, खाताधारक उससे पैसे नहीं निकाल सकते हैं। लेकिन कई मामलों में जब तक खाता अनफ्रीज नहीं हो जाता है, तब तक उसमें और पैसे जमा करने की अनुमति दी जाती है।

कब होता है बैंक अकाउंट फ्रीज

खाते को फ्रीज (A c c o u n t Freeze) करने का मतलब यह है कि खाताधारक अपने बैंक खाते में कोई लेन-देन नहीं कर सकेगा। खाता फ्रीज होने के बाद उससे सभी तरह के भुगतान भी अपने आप रूक जाएंगे। भारत में, भारतीय रिजर्व बैंक (R B I), आयकर विभाग (Income Tax Department), न्यायालयों (Court) और भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (SEBI) के पास बैंक खातों को फ्रीज करने का प्राधिकार है। ज्यादातर बैंक (Bank) अपने ग्राहकों का खाता फ्रीज करने से पहले उन्हें नोटिस भी देते हैं।

यदि खाते को वैध कारणों के लिए लंबे समय तक फ्रीज किया जाता है, तो उसे अनफ्रीज करवाना एक लंबी और थकाऊ प्रक्रिया हो सकती है।

संदिग्ध ट्रांजेक्शन पर अकाउंट फ्रिज

कभी-कभी आपके अकाउंट में संदिग्ध किस्म के ट्रांजेक्शन (Suspected transections) होने लगते हैं तो एहतियातन बैंक आपका अकाउंट फ्रीज कर देता है। कोई व्यक्ति हर समय सामान्य ट्रांजेक्शन करता है और अचानक उनके अकाउंट में ऑनलाइन परचेज (Online Purchase) की बाढ़ सी आ जाती है या विदेशें में डेबिट कार्ड (Debit Card purchase in abroad) से खरीदारी होने लगती है, तब बैंक अपनी तरफ से सक्रिय हो कर अकाउंट फ्रीज कर देता है। उस समय बैंक समझता है संबंधित ग्राहक का अकाउंट हैक (Account hack) कर लिया गया है या डेबिट कार्ड चोरी हो गया है।

बैंक भी कर देता है अकाउंट फ्रीज

इंडियन बैंक (Indian bank) के एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि जो ग्राहक तीन साल में एक बार केवाईसी (KYC) नहीं कराते हैं, उनका अकाउंट फ्रीज (Account Freeze) कर दिया जाता है। रिजर्व बैंक का प्रावधान है कि हर खाताधाारक तीन साल में एक बार, केवाईसी अपडेट (K Y C Update) कराए। कोई ग्राहक ऐसा करने से चूक जाता है तो उनका अकाउंट फ्रिज कर दिया जाता है।

छह महीने तक नहीं हुआ ट्रांजेक्शन तो भी फ्रिज

आपने अपने खाते में छह महीने में एक भी ट्रांजेक्शन (N o Transection) नहीं किया तो भी आपका अकाउंट फ्रीज कर दिया जाएगा। इंडियन बैंक के अधिकारी का कहना है कि इसमें बैंक का कोई कर्मचारी कुछ नहीं करता। यह सब कंप्यूटराइज्ड (Computerised) तरीके से होता है। यदि किसी खाते में छह महीने तक लगातार कोई लेन-देन नहीं हुआ तो सिस्टम अपने आप उसे फ्रीज कर देता है।

बाहर से भी आता है निर्देश

बैंकरों का कहना है कि आयकर विभाग (I n c o m e T a x Department) कभी कभी निर्देश देता है कि अमुक अकाउंट को फ्रिज कर दिया जाए। इस पर तत्काल कार्रवाई होती है। इसी तरह से पूंजी बाजार के नियामक सेबी (SEBI) के आदेश का भी पालन होता है। वित्तीय धोखाधड़ी या कुछ अन्य किस्म के मामलों में अदालतें भी बैंक को निर्देश देती है कि आरोपी का बैंक अकाउंट फ्रिज कर दिया जाए।

बैंक अकाउंट फ्रिज हो जाए तो क्या करना चाहिए

जब कोई बैंक अकाउंट फ्रिज हो जाए तो सबसे पहले अपने बैंक ब्रांच में संपर्क करना चाहिए। बैंक प्रबंधन से पूछना चाहिए कि अकाउंट फ्रिज होने की वजह क्या है? यदि संदिग्ध लेन देन या केवाईसी पूरा नहीं करना वजह है तो आपका अकाउंट शीघ्र चालू हो जाएगा। लेकिन यदि आयकर विभाग, सेबी या फिर किसी अदालत ने अकाउंट फ्रिज कराया है तो फिर वहां से आदेश आने से पहले बैंक प्रबंधन कुछ नहीं कर सकता है।

रोहित शर्मा ने अपनी इंजरी पर दिया बड़ा अपडेट, बताया लगातार था BCCI से संपर्क

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने इंजरी पर खुद बड़ा अपडेट दिया है। रोहित ने बताया है कि उनके हेमस्ट्रिंग पूरी तरह से ठीक लग रही है और वह ऑस्ट्रेलिया में खेलने को तैयार हैं। रोहित को यह समस्या आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते वक्त हुई थी, जिसके चलते उनको ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए किसी भी टीम में शामिल नहीं किया था। रोहित ने मुंबई को आईपीएल का पांचवां खिताब जीताने के बाद कहा था कि वह पूरी तरह से फिट हैं। रोहित के इस बयान के बाद चयनकर्ता काफी समय तक निशाने पर रहे थे और आखिरकार दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल कर लिया गया था। रोहित ने अपने चोट के बारे में अपडेट देते हुए कहा, 'हेमस्ट्रिंग अब बिल्कुल ठीक लग रही है। इस मजबूत करने की प्रकिया शुरू कर दी है। लंबे फॉर्मेट में खेलने से पहले मुझे यह पूरी तरह से निश्चित करने की जरूरत है कि कोई भी प्रयास छूट नहीं गया, शायद यही कारण है कि मैं एनसीए में हूं। ईमानदारी से कहूं, मैं नहीं जानता कि क्या हो रहा था और लोग किसके बारे में बात कर रहे थे, लेकिन मैं रिकॉर्ड के लिए बता दूं कि मैं बीसीसीआई और मुंबई इंडियंस के साथ लगातार संपर्क में था।' हिटमैन ने आईपीएल 2020 के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 50 गेंदों में 68 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। रोहित ने आईपीएल में चोट के दौरान खेलने पर जवाब देते हुए कहा, 'मैंने मुंबई इंडियंस को बता दिया था कि मैं मैदान पर उतर सकता हूं, क्योंकि यह छोटा फॉर्मेट है और मैं परिस्थितियों से अच्छी तरह से निपट लूंगा। एक बार मैंने निश्चित कर लिया, तो बस उस चीज पर ध्यान लगाने की जरूरत थी जो मैं करना चाहता था।' रोहित शर्मा को एनसीए में अपना फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होना है। रोहित वनडे और टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं और वह 17 दिसंबर से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में खेलते दिखाई देंगे।

ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज ने बताया, इस वजह से मिलेगी भारत के बल्लेबाजों के खिलाफ सफलता

27 नवंबर से शुरू हो रहे भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले दोनों ही टीमें अपनी रणनीतियां बनाने में जुटी हुई हैं। सीरीज से पहले टीम के खिलाड़ी भी एक दूसरे के खिलाफ लगातार बयान बाजी कर रहे हैं। इस कड़ी में अब ऑस्ट्रेलिया के स्पिन ऑल-राउंडर एश्टन एगर ने बताया है कि उनको शेफील्ड शील्ड में खेलने से भारत के खिलाफ काफी फायदा होगा। एगर की सीमित ओवर की टीम में वापसी हुई है, उनको सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज में जगह नहीं दी गई थी। एश्टन एगर ने क्रिकेट.कॉम.एयू के साथ बातचीत करते हुए कहा, 'अच्छे विकेट पर बल्लेबाजों को आउट करने की कोशिश करने के बारे में सोचने के बाद आपको वनडे और टी20 सीरीज में वास्तव में सहायता मिलती है।

सौरव गांगुली ने वीरू को कुछ ऐसे दिया IPL 2020 की सफलता का क्रेडिट, लिखी यह खास बात

आईपीएल 2020 (IPL 2020) के सफल आयोजन में कई लोगों का हाथ रहा और टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद रवि शास्त्री समेत कई दिग्गज क्रिकेटरों ने बीसीसीआई और अन्य लोगों की जमकर तारीफ भी की। कोरोना वायरस के चलते इंडियन प्रीमियर लीग का 13वां सीजन यूएई में बायो सिक्योर बबल में खेला गया।

मुंबई इंडियंस की टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर आईपीएल के खिताब पर पांचवीं बार कब्जा जमाया। आईपीएल के इस सीजन के दौरान पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग का शो 'वीरू की बैठक' भी काफी चर्चा में रहा। सहवाग के इस शो की अब बीसीसीआई प्रेसिडेंट ने जमकर तारीफ की है। दरअसल, सहवाग ने अपने ट्विटर पर खुद की एक फोटो शेयर की है, जिसमें वह काफी कूल अंदाज में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'जब कुछ भी राइट नहीं हो रहा हूं, तो लेफ्ट जाएं' सहवाग के इस पोस्ट पर बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कमेंट करते हुए लिखा, 'क्या बात है वीरू। तुम काफी फिट और हैंडसम लग रहे हो। तुम्हारा शो 'वीरू की बैठक' भी एक कारण रहा आईपीएल की जबर्दस्त रेटिंग्स का।' सहवाग ने आईपीएल 2020 के दौरान अपने इस शो में हर मैच को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी और खिलाड़ियों और टीम के प्रदर्शन पर भी चर्चा करते नजर आए।

सौरव गांगुली ने आईपीएल खत्म होने के बाद बताया था कि इस साल आईपीएल ने व्यूवरशिप के कई रिकॉर्ड्स को ध्वस्त किया था और 28 प्रतिशत दर्शकों की संख्या में इजाफा हुआ था। कोविड 19 के चलते आईपीएल का यह सीजन खाली स्टेडियमों में करवाया गया था और लोगों को स्टेडियम में आने की इजाजत नहीं दी गई थी। हालांकि, फैन्स को वर्चुअली जरूर मैच से जोड़ा गया था।

मैदान पर हुई कोहली से झड़प को लेकर बोले सूर्यकुमार यादव, मैच के बाद विराट ने कही थी यह बड़ी बात

मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2020 में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले सूर्यकुमार यादव ने कोहली से हुई मैदान पर जुबानी जंग को लेकर बड़ा खुलासा किया है। मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले गए मैच में विराट कोहली सूर्यकुमार के पास आकर कुछ बोलते दिखाई दिए थे। उस मैच में मुंबई के इस बल्लेबाज ने आतिशी पारी खेली थी और जीत को बैंगलोर के हाथों से छीन लिया था। सूर्यकुमार द्वारा की गई इस सीजन लाजवाब बल्लेबाजी की कई दिग्गज खिलाड़ियों ने जमकर तारीफ की थी और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उनको स्पिन का इस समय का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बता दिया था। सूर्युकमार यादव ने यूट्यूब चैनल स्पोर्ट्स तक के साथ बातचीत करते हुए कोहली के साथ हुई झड़प को याद करते हुए कहा, 'मैच के बाद, सबकुछ एकदम नॉर्मल था, क्योंकि वह मेरी तरफ आए और उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा खेले तुम, शानदार पारी और इसी तरह की और बातें। वह बिल्कुल नॉर्मल था दूसरे दिन की तरह जैसे आप दोस्तों से मिलते हैं और प्रैक्टिस करते हैं। जिन 60-65 मिनट मैं बल्लेबाजी कर रहा था, उस समय मेरे ऊपर काफी प्रेशर था, लेकिन मैंने अपनी उस पारी को काफी एंजॉय किया।' आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही थी सूर्यकुमार यादव को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में जगह दी जा सकती है, हालांकि ऐसे हुआ नहीं। मुंबई के इस बल्लेबाज ने आईपीएल 2020 में खेले 16 मैचों में 145.01 के शानदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 480 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने 4 हाफसेंचुरी भी लगाई। सूर्यकुमार ने पिछले सीजन आईपीएल में भी बेहतरीन बललेबाजी की थी और 16 मैचों में 424 रन जड़े थे, जबकि साल 2018 में भी उनके बल्ले से जमकर रन निकले थे और दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 14 मैचों में 512 रन बनाए थे।

दुनियाभर में कोरोना से 13.71 लाख लोगों की मौत, अब तक 5.75 करोड़ लोग हो चुके हैं संक्रमित

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए 5.75 करोड़ के पार हो गई है। इस महामारी से अब तक 13.71 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। पूरे विश्व में दर्ज किये गए कोरोना के कुल मामलों में से लगभग 48 प्रतिशत मामले अमेरिका, भारत और ब्राजील के हैं। इस महामारी से संक्रमित लोगों और मृतकों की संख्या के मामले में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमश: अमेरिका, भारत और ब्राजील है। इस संक्रमण से तेजी से मुक्त होने वाले लोगों की संख्या के मामलों में भारत, ब्राजील और अमेरिका क्रमश: पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व के 190 देशों में कोरोना वायरस से अब तक 57,514,482 लोग संक्रमित हुए हैं और 13,71,583 लोगों की मौत हुई है। कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित, अमेरिका, इस महामारी से संक्रमितों और मृतकों के मामले में पहले स्थान पर है। संक्रमण से मुक्त होने वाले लोगों के मामले में यह तीसरे स्थान पर है। अमेरिका में अब तक 11,908,396 लोग संक्रमित हुए हैं और 254,383 मरीजों की मौत हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में 46,232 नए मामले सामने आए और संक्रमितों की संख्या करीब 90 लाख के पार पहुंच गयी। स्वस्थ होने वालों की संख्या 84.78 लाख से अधिक हो गयी है, जबकि 564 मरीजों की मौत के साथ मृतकों का आंकड़ा 1,32,736 हो गया। देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या में 3483 केसों की कमी के बाद अब सक्रिय मामले 4,43,794 हो गए है। ब्राजील कोरोना संक्रमितों के मामले में तीसरे स्थान पर और इससे मुक्ति पाने और मृतकों के आंकड़े में दूसरे स्थान पर है। देश में कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 60.20 लाख से पार हो गयी है जबकि 168,613 लोग काल के गाल में समा गए हैं। फ्रांस में अब तक 21.60 लाख से अधिक लोग इससे प्रभावित हुए हैं और 48,341 मरीजों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 20.02 लाख को पार कर गई है। अब तक 34,9 लोगों की मौत हो गई है। स्पेन में इस महामारी से अब तक करीब 15.56 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 42,619 लोगों की मौत हुई है। ब्रिटेन में अभी तक करीब 14.77 लाख लोग संक्रमित हुए हैं और 54,381 लोगों की मौत हो चुकी है। अर्जेंटीना में कोविड-19 से अब तक करीब 13.59 लाख लोग प्रभावित हुए हैं ओर 36,790 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में 13.45 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 48,569 लोगों की मौत हुई है। कोलंबिया में इस जानलेवा वायरस से अब तक 12.33 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा 34,761 लोगों ने जान गंवाई है। मेक्सिको में कोरोना से अब तक 10.25 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 100,104 लोगों की मौत हो चुकी है। पेरू में इस वायरस से अब तक 9.39 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 35,317 लोगों की मौत हो चुकी है। जर्मनी में इस वायरस की चपेट में 9.14 लाख से अधिक लोग आ चुके हैं तथा 13,918 लोगों की मौत हुई है। ईरान में इस महामारी से अब तक 8.28 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 43,896 लोगों की मौत हो गई है। पोलैंड में संक्रमण के 8.19 लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं तथा 12,714 लोगों की मौत हो गई है।

जोरदार विस्फोटों से हिला काबुल, 5 की मौत 21 लोग घायल

शनिवार को एक के बाद एक जोरदार विस्फोटों ने अफ़गानिस्तान के केंद्रीय काबुल को हिला दिया, एएफपी संवाददाताओं ने रॉकेट की तरह की आवाज वाले इन धमाकों को सुना। घटना में 5 की मौत और 21 के घायल होने की खबर है। विस्फोट अफ़गानिस्तान की राजधानी के घनी आबादी वाले हिस्सों में हुआ, जिसमें केंद्र में स्थित ग्रीन ज़ोन शामिल था। आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता तारिक एरियन ने कहा, "आज सुबह आतंकवादियों ने काबुल शहर पर 14 रॉकेट दागे। दुर्भाग्य से रॉकेट आवासीय क्षेत्रों से टकराए"।

ग्रीन जोन में और उसके आस-पास दूतावासों में जोरदार धमाका सुनाई दिया। भारी किलेनुमा क्वार्टर है जिसमें दर्जनों अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और उनके कार्यकर्ता रहते हैं। सोशल मीडिया पर घूम रही असत्यापित तस्वीरों से पता चलता है कि रॉकेटों से कम से कम दो अलग-अलग इमारतों में छेद किया गया था।

अधिकारियों ने तुरंत टिप्पणी नहीं की, लेकिन आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि शनिवार सुबह दो छोटे विस्फोट हुए हैं, जिनमें एक पुलिस कार से टकराया, जिसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और तालिबान के वार्ताकारों और अफगान सरकार की खाड़ी राज्य कतर के बीच एक बैठक से पहले हुए हैं।

हाल के महीनों में पूरे अफगानिस्तान में नरसंहार का शिकार हुई हिंसा की लहर चल रही है। हालांकि किसी भी समूह ने शनिवार के विस्फोटों के लिए तुरंत जिम्मेदारी का दावा नहीं किया।

अमेरिका के विस्कॉन्सिन में मॉल में गोलीबारी, आठ लोग घायल

21 नवंबर को अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक मॉल में हुई गोलीबारी में आठ लोग घायल हो गए। पुलिस विभाग ने इसकी जानकारी दी। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि वाओवातोसा पुलिस को मेफेयर मॉल में गोलीबारी की सूचना मिली।

पुलिस के घटना स्थल पर पहुंचने के दौरान हमलावर मौके पर मौजूद नहीं था। इस हमले में आठ लोग घायल हुए हैं जिसमें एक किशोर भी शामिल है।

विज्ञप्ति के अनुसार पीड़ितों को चोट कैसी है इस बार में फिलहाल जानकारी नहीं मिल सकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमलावर अंग्रेज व्यक्ति था जिसकी उम्र 20 से 39 वर्ष के बीच थी।

हमले के लगभग तीन घंटे बाद वाओवातोसा पुलिस के चीफ बैरी वेबर ने एक बयान में कहा कि हमले के पीछे का मंशा का पता नहीं चल सका है। घायलों की जान बच गई है लेकिन उन्हें कितनी चोटें आयी हैं इसका पता नहीं चल सका है। उन्होंने यह भी कहा,

"अब मौकाए वारदात पर वह शूटर मौजूद नहीं है।" घायलों के बयानों के आधार पर पुलिस एक 20 से 30 साल के गोरे आदमी की तलाश कर रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह मॉल अभी भी एक एक्टिव क्राइम सीन है इसलिए लोग यहां से दूर ही रहें।

वाओवातोसा के मेयर डेनिस मेकब्राइड ने एक बयान में कहा कि वारदात के बाद संदिग्ध मॉल में ही था। चश्मदीदों ने डब्ल्यूआईएसएन-टीवी को दिए बयानों में बताया कि उन्होंने 12 गोलियों के चलने की आवाजें सुनी थीं। चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 5 लोगों को मॉल के भीतर से स्ट्रेचर पर अस्पताल ले जाया गया है। जब पुलिस हमलावर की तलाश कर रही थी कुछ लोग तब मॉल में ही थे।

जिल वूली, जो कि वारदात के समय अपनी 79 वर्षीय मां के साथ मॉल में ही थीं बताती हैं, उन्होंने 12 गोलियां चलने की आवाज सुनी थी। "हमने पहली आवाज सुनी और हम समझ गए कि वह एक गोली का आवाज थी। उसके बाद हम जमीन पर बैठ गए।" वूली ने बताया, "उन्होंने किसी को देखा तो नहीं लेकिन गोलियों की आवाज बहुत पास से आ रही थी।

वे लोग छुपने के लिए स्टोर के तहखाने की तरफ भागे थे।"

मॉल की तरफ से आए एक बयान में कहा गया, "हम अपने अतिथियों और किराएदारों से साथ हुई इस हिंसा से दुखी और क्रोधित हैं।" इसके आगे उन्होंने कुछ नहीं कहा। आपको बता दें, दि मेफेयर मॉल में इसी साल फरवरी में एक पुलिस अधिकारी ने एलविन कोल नाम के 17 साल के एक व्यक्ति को गोली मार दी थी। एलविन एक अश्वेत था और उसे गोली मारने वाले पुलिस अधिकारी जोसेफ मेनसाह भी एक अश्वेत हैं। पुलिस ने कहा कि एलविन ने पुलिस पर बंदूक तानी थी और वह पुलिस से भाग रहा था। इसके बाद इस मॉल के बाहर बहुत से प्रदर्शन हुए थे।

रणवीर सिंह ठीक से किरदार निभा पाएंगे या नहीं, डर रहे थे कपिल देव, लेकिन ऐसे दूर हुई गलतफहमी

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 83 को चर्चा में हैं। फिल्म में रणवीर दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए साल 1983 विश्व कप में इंडियन क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत को बड़े पर्दे पर रिक्रिएट किया जाएगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब कपिल देव को पता चला कि उनका रोल रणवीर सिंह और उनकी पत्नी का रोल दीपिका पादुकोण फिल्म में अदा करेंगी तो वह थोड़ा डर गए थे?

स्पॉटबॉय की एक रिपोर्ट के अनुसार, जब कपिल देव से पूछा गया कि उनका क्या रिएक्शन था जब उन्हें पता चला कि फिल्म के स्टार्स कौन हैं। कपिल देव ने कहा, "मैं थोड़ा डरा हुआ था। मुझे लगा कि वह एक एक्टर हैं। आप स्पोर्ट्स और एथलेटिक्स में किसी की नकल कर रहे हैं। क्या उनके पास उतना है? लेकिन जब मैंने उनके साथ समय बिताया, तो मुझे हैरानी हुई कि उन्होंने कितना समय बिताया। पिछली गर्मियों में जून और जुलाई में उन्होंने लगभग 8 घंटे क्रिकेट ग्राउंड पर बिताए और मुझे डर लगता था। मैं कहूंगा कि वह 20 साल का नहीं है, उसे घायल नहीं होना चाहिए। मुझे उसकी चिंता थी। मुझे लगता है कि यह वह है जब एक कलाकार और एक्टर बाहर आते हैं। उन्हें पता है कि क्या करना है और कैसे करना है।" रणवीर सिंह के नटराज शॉट के बारे में बात करते हुए कपिल देव ने कहा, "मुझे लगता है कि उसने बहुत मेहनत की है। मुझे नहीं पता है। मुझे भी अभी देखना है। मैंने कुछ तस्वीरें और अन्य चीजें देखी हैं। मुझे लगता है कि कैमरामैन और वह लोग बहुत अच्छे हैं। मैं उसने कोसो दूर हूं। बस इतना ही कहूंगा कि हर किसी की अपनी एक कहानी होती हैं।" आपको बता दें कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 83 इस साल ही रिलीज होने वाली थी। हालांकि कोरोना वायरस के कारण फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है।

प्रभुदेवा ने फिल्मी दुनिया से बाहर की लड़की से रचाई दूसरी शादी

प्रभुदेवा की शादी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। उनकी शादी से जुड़ी कई तरह की खबरें आ चुकी हैं, जिनमें सच्चाई नहीं है। ऐसी खबरें थीं कि प्रभुदेवा अपनी भांजी संग सात फेरे लेने जा रहे हैं। अब प्रभुदेवा के भाई ने फिजियोथेरपिस्ट संग उनकी शादी का सच बताया है।

ई टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रभुदेवा ने मुंबई के साकीनाका में रहने वाली डॉक्टर हिमानी से शादी की है। दोनों के बीच नजदीकियां उस वक्त बढ़ीं जब प्रभुदेवा की पीठ और पैरों पर खिंचाव आ गया था। इस दौरान प्रभुदेवा का इलाज डॉक्टर हिमानी ने किया था। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि लॉकडाउन के समय दोनों मार्च में चेन्नई गई थे। वहां 2 महीने लिव-इन रिलेशनशिप में रहे। इसके बाद वहीं मई में शादी कर ली। शादी प्रभुदेवा के चेन्नई वाले घर पर हुई। लॉकडाउन की वजह से इसमें कोई शामिल नहीं हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, डॉक्टर हिमानी अभी तक अपने ससुराल वालों से दो बार मैसूर में मिली हैं। इस मामले में प्रभुदेवा के भाई राजू सुंदरम ने कहा कि वह प्रभुदेवा की शादी से बहुत खुश हैं। आपको बता दें कि प्रभुदेवा की यह दूसरी शादी है। साल 1995 में प्रभु देवा और रामलता की शादी हुई थी।

रेफ्यूजी कैम्प के बच्चों को आतंकवाद से बचाने के लिए संजय दत्त ने उठाया यह कदम

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की नई फिल्म तोरबाज का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं बल्कि ओटीटी प्लैटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म की कहानी एक क्रिकेट कोच की है जो अफगानिस्तान के रेफ्यूजी कैम्प में रह रहे बच्चों को क्रिकेट सिखाकर उनकी लाइफ बदलना चाहता है।

इस फिल्म में संजय क्रिकेट कोच की भूमिका निभाई है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि संजय दत्त का किरदार अफगानिस्तान में शरणार्थी कैंप के बच्चों को बेहतरीन खिलाड़ी बनाना चाहता है लेकिन इस बीच वह आतंकी संगठन का सरगना (राहुल देव) की नजरों में खटकने लगता है। वह चाहता है कि बच्चों के हाथ में बैट और बॉल नहीं बल्कि हथियार हो, जिनका इस्तेमाल वह अपने मकसद के लिए करना चाहता है। एक सीन में संजय दत्त कहते हैं, 'रेफ्यूजी कैंप में रहने वाले बच्चे टेररिस्ट नहीं होते बल्कि वे टेररिज्म का पहला शिकार होते हैं। राहुल देव और संजय दत्त के अलावा नरगिस फाखरी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 11 दिसंबर को रिलीज होगी। इससे पहले संजय दत्त की फिल्म सड़क 2 रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला था। इस फिल्म का डायरेक्शन महेश भट्ट ने किया था। इन दिनों संजय दत्त के पास कई प्रोजेक्ट्स है जिसमें केजीएफ 2, शमशेरा जैसी फिल्में हैं। बताते चलें कि हाल ही संजय दत्त ने लंग कैंसर को मात दी है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फैन्स को दी थी।

रश्मि देसाई को सलमान खान के शो का मिला ऑफर

एक्ट्रेस रश्मि देसाई भले ही 'बिग बॉस-13' का टाइटल अपने नाम न कर सकी हों, लेकिन उन्होंने दर्शकों के दिलों में अलग जगह बना ली है। रश्मि ने एक ताजा इंटरव्यू में बताया है कि उन्हें बिग बॉस-14 में एंट्री के लिए अप्रोच किया गया है। हालांकि उन्होंने अभी तक एंट्री को लेकर फैसला नहीं लिया है। रश्मि ने हाल ही में बिग बॉस के नए सीजन को लेकर अपने विचार व्यक्त किए थे। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, रश्मि देसाई से जब एजाज खान और कविता कौशिक के बीच चल रहे झगड़े के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि एक सीनियर एक्टर हैं और शो में वह उस तरह से नहीं दिख रहे हैं, जैसा उन्हें वह जानती हैं। हालांकि रश्मि देसाई ने कविता कौशिक का यह कहकर बचाव भी किया कि वह बिग बॉस 14 के घर के अंदर नहीं हैं। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि वह अपनी पसंद और नापसंद के बारे में बहुत स्पष्ट हैं।

भारती सिंह का वायरल होने लगा वीडियो, गिरफ्तारी से एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर किया था पोस्ट

कॉमेडियन भारती सिंह सुर्खियों में हैं। भारती सिंह को ड्रग्स मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गिरफ्तार किया है। इस बीच सोशल मीडिया पर भारती सिंह की एक पोस्ट जमकर वायरल हो रही है। इस पोस्ट को उन्होंने गिरफ्तारी से एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। भारती ने इस पोस्ट के कैप्शन के जरिए बताया है कि उनका मूड रोमांटिक हो रहा है, इसलिए वह गाना सुन रही हैं।

वीडियो में भारती फिल्म 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया' के गाने 'समझावां' पर लिप्सिंग कर रही हैं। वीडियो के साथ भारती ने कैप्शन लिखा- 'आज थोड़ा रोमांटिक मूड है क्या करूं चलो गाना ही सुन लेते हैं।' इसके साथ ही भारती ने हर्ट के साथ फनी इमोजी का इस्तेमाल किया था।

वीडियो में भारती गाने को खूब एन्जॉय कर रही हैं। बिना मेकअप वाला यह वीडियो फैन्स को खूब पसंद भी आ रहा है। यही कारण है कि गाने को हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल गए हैं। भारती सिंह की इस पोस्ट पर एक्ट्रेस सारा खान से लेकर कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस तक ने कमेंट किया है। आपको बता दें कि एनसीबी ने शनिवार की सुबह भारती और उनके पति हर्ष के घर और दफ्तर पर ड्रग्स मामले में छापेमारी की थी, जिसके बाद दोनों को एनसीबी दफ्तर पूछताछ के लिए बुलाया था। एनसीबी ने भारती सिंह के घर से गांजा भी बरामद किया था। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने छापेमारी के बाद बताया कि यह तलाशी बॉलीवुड जगत में ड्रग्स के कथित उपयोग की एनसीबी द्वारा की जा रही जांच के तहत ली गई है। भारती सिंह की गिरफ्तारी के बाद एनसीबी ने एक बयान जारी कर भारती के घर से 86.5 ग्राम गांजा बरामद होने की जानकारी दी थी। भारती और उनके पति हर्ष दोनों ने गांजा के सेवन की बात स्वीकार की है।

अंकिता लोखंडे अवॉर्ड फंक्शन में सुशांत सिंह राजपूत को देंगी ट्रिब्यूट!

अंकिता लोखंडे और सुशांत सिंह राजपूत कई सालों तक रिलेशनशिप में रह चुके हैं। हालांकि, फिर दोनों का ब्रेकअप हो गया था। सुशांत के निधन से अंकिता को भी काफी झटका लगा था। अब खबर आ रही है कि अंकिता जल्द ही एक अवॉर्ड शो में सुशांत को ट्रिब्यूट देंगी। हालांकि इसे लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि अब अंकिता, विक्की जैन को डेट कर रही हैं। दोनों साथ में पार्टीज करते रहते हैं। हाल ही में दोनों ने साथ में दिवाली सेलिब्रेट की थी।

विक्की से मांगी थी माफी कुछ दिनों पहले अंकिता ने विक्की के लिए स्पेशल पोस्ट लिखा था। इस पोस्ट के जरिए अंकिता ने विक्की से माफी भी मांगी थी। अंकिता ने लिखा था, 'तुम्हारे लिए अपनी फीलिंग्स को बताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। जब भी मैं हमें साथ देखती हूं तो मेरे दिमाग में एक ही चीज आती है कि मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने तुम्हें मेरी जिंदगी में भेजा, एक दोस्त की तरह, एक पार्टनर की तरह। एक सोल मेट की तरह'। 'शुक्रिया मेरी हर परेशानी को अपना समझने के लिए। जब मुझे तुम्हारी जरूरत पड़ी तो मदद करने के लिए। मेरे सपोर्ट सिस्टम बनने के लिए शुक्रिया। मुझे माफ कर देना की तुम्हें मेरी वजह से बहुत क्रिटिसिज्म का सामना करना पड़ा जो तुम बिल्कुल डिजर्व नहीं करते थे। शब्द कम हैं लेकिन हमारी बॉन्डिंग शानदार है। आई लव यू'। अंकिता की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने पिछले साल ही कंगना रनौत की फिल्म मणिकर्णिका से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद वह फिल्म बागी 3 में नजर आई थीं। फिल्म में अंकिता, टाइगर श्रॉफ, रितेश देशमुख और श्रद्धा कपूर के साथ थीं।

'बिग बॉस-14' के मेकर्स से खफा हैं एक्ट्रेस नैना सिंह, शो से बाहर होने के बाद बोलीं- मेरी साइड स्टोरी को किया गया इग्नोर

बिग बॉस-14 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आ चुकीं एक्ट्रेस नैना सिंह ने शो के मेकर्स के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। नैना का कहना है कि शो में मेकर्स ने उन्हें एक 'बिम्बो' की तरह दिखाया, जो बिग बॉस हाउस में कुछ भी नहीं करती थी। नैना बिग बॉस-14 में एंट्री करने के दो वीक के बाद ही एलिमिनेट हो गई थीं।

टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में नैना सिंह ने कहा कि बिग बॉस-14 मेकर्स ने शो में उनकी साइड स्टोरी नहीं दिखाई। नैना ने एजाज खान और शार्दुल पंडित की स्ट्रगल स्टोरी दिखाने और उनकी स्टोरी इग्नोर करने को लेकर मेकर्स पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा, "अगर मेकर्स एजाज और शार्दुल का स्ट्रगल और पर्सनल लाइफ हाईलाइट कर रहे हैं, तो उन्होंने मेरी साइड स्टोरी को क्यों इग्नोर किया?

कम से कम मुझे गलत तरीके से तो मत दिखाएं। मेरी भी साइड स्टोरी को बताएं। उन चीजों को भी दिखाएं जो मैंने कही हैं। उन्होंने मुझे एक 'बिम्बो' की तरह दिखाया, जो शो में कुछ नहीं करती थी।" नैना ने कहा कि मेकर्स ने उन्हें उस तरह से दिखाया, जिसमें वह अपनी महंगी ड्रेस को लेकर परेशान रहती थीं। उन्होंने कहा, "मैं अपनी जर्नी के बारे में जो सबसे ज्यादा नफरत करती हूं। वह है- जो कुछ भी मैं अपनी पर्सनल लाइफ या टास्क के दौरान बोलती थी वह दिखाया नहीं गया था। लेकिन उन्होंने केवल यह दिखाया कि नैना केवल मेकअप, महंगी ड्रेस के बारे में परेशान है और एक घर है। क्या वे मेरे स्ट्रगल के बारे में जानते हैं, कि मैं डिप्रेशन में थी या नहीं? क्या उन्हें पता है कि मैं कैसे इतना लंबा सफर तय करके आई हूं।"

'पठान' के प्रॉफिट में होगा शाहरुख खान का बड़ा हिस्सा

सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी नई फिल्म पठान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्हें यश राज स्टूडियो के बाहर देखा गया था। बताया जा रहा है कि उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। अब इस फिल्म को लेकर शाहरुख खान की फीस की जानकारी सामने आई है, जो वाकई चौंकाने वाली है।

बॉलीवुड हंगामा ने अपनी एक रिपोर्ट में सोर्स के आधार पर बताया कि शाहरुख खान ने 'पठान' के लिए फीस के तौर पर फिल्म के प्रॉफिट में शेयर की मांग की है। उनके और प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा के बीच 45 फीसदी शेयर को लेकर डील तय हुई है। सूत्र ने वेबसाइट को बताया, 'शाहरुख खान और आदित्य चोपड़ा भाई की तरह हैं। Y F F फिल्म के मुनाफे में शाहरुख खान का हिस्सा होता है और पठान के साथ भी परंपरा जारी रहेगी। शाहरुख ने यश राज फिल्म्स के साथ 45 प्रतिशत लाभ के बंटवारे को लेकर करार किया है।

जैद दरबार संग इस दिन निकाह करेंगी गौहर खान, सामने आई डेट

बॉलीवुड एक्ट्रेस गौहर खान इन दिनों जैद दरबार के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। कुछ समय पहले ही दोनों ने सगाई की थी।

अब गौहर और जैद दरबार की निकाह की डेट सामने आ गई है। खबर है कि दोनों अगले महीने 25 दिसंबर को शादी करने जा रहे हैं।

पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, गौहर और जैद की निकाह मुंबई के आईटीसी मराठा में होगी। इससे पहले यह कपल पुणे के हिस्टोरिकल फोर्ट जाधवगढ़ होटल जाएगा, जहां पर दोनों प्री-वेडिंग शूट कराएंगे। सोर्स ने बताया कि 22 दिसंबर से वेडिंग सेरेमनी शुरू हो जाएगी। कोरोना को ध्यान में रखते हुए इस शादी में सिर्फ परिवार और करीबी लोग शामिल होंगे।

सैफ अली खान के बड़े बेटे इब्राहिम बन सकते हैं एक्टर

सैफ अली खान अपने बेटों इब्राहिम अली और तैमूर अली के करियर च्वॉइस को लेकर खुलकर बात करते हैं। एक ताजा इंटरव्यू में बेटों के फिल्म इंडस्ट्री ज्वॉइन करने के सवाल पर सैफ अली खान ने कहा कि उनके बच्चे उनके नक्शेकदम पर चल सकते हैं। सैफ ने कहा कि तैमूर भी एक्टर बन सकते हैं क्योंकि वह पहले से लोगों को एंटरटेन कर रहे हैं।स्पॉटबॉय की एक रिपोर्ट के अनुसार सैफ ने कहा, 'मेरी मां 16 साल की उम्र से ही फिल्में करने लगी थीं। उन्होंने सत्याजीत रे के साथ खूब काम किया है और तीन-चार फिल्में उनके साथ की हैं। मेरी बहन भी फिल्में कर चुकी है, मेरी पत्नी, मेरी एक्स वाइव भी। हम सभी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

मेरी बेटी, मेरा बड़ा बेटा भी एक्टर बनना चाहता है और मुझे लगता है कि तैमूर भी आगे जाकर पक्का एक्टर ही बनेगा। वह अभी से लोगों का एंटरटेनमेंट कर रहे हैं।'

सैफ ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था, 'ऐसा लगता है कि इब्राहिम अपने एक्टिंग करियर को लेकर तैयार हैं। और क्यों नहीं होना चाहिए? मैं अपने हर बच्चे को इस प्रोफेशन में देखना चाहता हूं। यह काम करने के लिए सबसे अच्छी जगह है। मुझे याद है जब मैं 17-18 साल का था और मैं फंस चुका था। तब एक्टिंग ने मेरा ध्यान भटकने से बचा लिया।

आपको बता दें कि सैफ अली खान इन दिनों तैमूर अली खान और करीना कपूर के साथ धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में हैं। सैफ धर्मशाला में अर्जुन कपूर और जैकलीन संग फिल्म 'भूत पुलिस' की शूटिंग कर रहे हैं। करीना कपूर खान धर्मशाला से फोटोज शेयर करती रहती हैं।

हाल ही में उन्होंने तैमूर की फोटो शेयर की है जिसमें वह फ्रेंच फ्राइज खा रहे हैं। करीना ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'किसी को फ्रेंच फ्राइज खाना है?' तैमूर की यह फोटो अर्जुन ने क्लिक की है। करीना ने आगे लिखा, 'थैंक्यू अर्जुन कपूर हमारे ऑफिशियल फोटोग्राफर बनने के लिए।'

सलमान खान की फिल्म तेरे नाम का सीक्वल बना सकते हैं सतीश कौशिक

सलमान खान की साल 2003 में रिलीज फिल्म तेरे नाम बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। इस फिल्म में सलमान खान के काम खूब तारीफ हुई। काफी समय से इस फिल्म के सीक्वल की चर्चा हो रही है। अब फिल्म तेरे नाम के डायरेक्टर सतीश कौशिक ने बताया कि उनके पास कई कहानियां है, जिससे इसका सीक्वल बनाया जा सकता है।

एक न्यूज पोर्टल के साथ बातचीत में सतीश कौशिक ने बताया कि फिल्म तेरे नाम में किरदार राधे की कहानी जहां पर खत्म हुई थी उसमें सीक्वल बनने के आसार है। एक्टर-डायरेक्टर सतीश कौशिक ने यह भी बताया कि उनके पास इस फिल्म को आगे बढ़ाने के लिए कई कहानिया हैं। हालांकि उन्होंने इसे लेकर सलमान खान से अभी तक कोई बात नहीं की है।

बता दें कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ भूमिका चावला लीड रोल में थीं। फिल्म की कहानी, कलाकारों की एक्टिंग से लेकर गाने तक सुपरहिट साबित हुए थे। उन दिनों यंगस्टर्स ने फिल्म तेरे नाम में सलमान खान के हेयर स्टाइल को खूब पसंद किया था।

बॉलीवुड में बतौर गायिका चांदनी वेगड़

गुजरात के पूर्व सीनियर सिविल जज की बेटी चांदनी वेगड़ बतौर गायिका फिल्म में

देश में विभिन्न तरह की युवा प्रतिभाएँ है, जिन्होंने पूरे भारत में अपनी अलग पहचान बनाई है, ऐसी ही एक है, गुजरात के जामनगर की रहनेवाली मधुर आवाज़ की धनी चांदनी वेगड़ है। एक शो के दौरान उनकी आवाज़ सुनकर 'हाई- स्पीड सिने इंटरनेशनल' बैनर तले एक हिंदी फीचर फिल्म 'लिविंग रिलेशन' के लिए साइन किया गया है। जिसके निर्माता आाशीष गजेरा व सोनल गजेरा है और निर्देशक अरमान ज़ाहिदी है। चांदनी जामनगर के रहनेवाले के पी वेगड़ की बेटी है, जोकि गुजरात ज्यूडिशियरी में पूर्व सीनियर सिविल जज रह चुके है।जामनगर के श्री सत्य साई विद्यालय में दसवीं कक्षा में पढ़नेवाली चांदनी पूरे गुजरात राज्य के 'राज्य कला महाकुम्भ- २०१८',' क्राइस्ट कॉलेज, राजकोट के 'स्पंदन २०१९'जैसे कई प्रतियोगिताओं के लिए उनको चुना गया ज्यादातर में प्रथम और कुछ में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा गुजरात राज्य में और मुंबई में कई शो में भी हिस्सा ले चुकी है। जब सात साल की थी तब से गायन ही उनके जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य रहा है।चांदनी वेगड़ कहती है के, "उनके परिवाल वाले उनको बहुत सपोर्ट करते है।"

उनके परिवार में उनका बड़ा भाई राज वेगड़, पिता कांतिलाल वेगड़ और उनकी माता अस्मिता वेगड़ है।"

फिल्म में गाने का मौका मिलने के बारे में गायिका चांदनी वेगड़ कहती है,"

दिलीपभाई मेरे पिता के मित्र है और उन्होंने मुझे एक गायन प्रतियोगिता में सुना था, उन्ही की वजह से मुझे यह फिल्म मिली है, इसकी रेकार्डिंग जल्द ही मुंबई में होगी।

और एक दो प्रोडक्शन हाउस से और बात चल रही है, जल्द ही उसके बारे में भी बताउंगी।"

पढाई और गायन दोनों जारी रखेगी या गायन में ही कैरियर बनाएंगी इसके बारे में वे कहती है," मैं दोनों ही जारी रक्खूंगी। जीवन में दोनों ही जरुरी है। गायन ही मेरा जीवन है लेकिन पढाई भी उसके साथ बहुत जरुरी है।"अपने मन पसंद गायक और गायिका के बारे में चांदनी कहती है," लता मंगेशकर व आशा भोसले के गाने को बहुत पसंद करती हूँ। और गायक में अरमान मलिक और अरिजीत सिंह सबसे ज्यादा पसंद है। इन लोगो में जो बात है व बहुत अलग है।

वैसे मैं लगभग हर गायक और गायिका के गाने सुनती हूँ।" अब देखना है कि चांदनी वेगड़ बॉलीवुड में कहाँ तक कामयाब होती है?

वर्क फ्रॉम होम से कानों पर बुरा असर, ईयरफोन के घंटों इस्तेमाल से कान से जुड़े संक्रमण बढ़े

मुंबई, वैश्विक महामारी कोविड-19 के चलते व्यावसायिक लोग घर से काम करने और छात्र ऑनलाइन क्लास में पढ़ने को विवश हैं। इस दौरान वह घंटों लगातार ईयरफोन का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए डॉक्टरों का कहना है कि ईयरफोन के अत्यधिक इस्तेमाल के चलते ही अब कान में दर्द, खिंचाव और संक्रमण की शिकायत वाले अधिक मरीज मिल रहे हैं।चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार पिछले सात से आठ महीनों से घंटों हेडफोन और ईयरपॉड के अत्यधिक इस्तेमाल से अब लोगों के कानों में दर्द, जलन और सूजन जैसी शिकायतें बढ़ गई हैं। मुंबई के जेजे अस्पताल

स्कूली छात्रों को भी ऑनलाइन क्लास में ईयरफोन न लगाने की हिदायत

ईएनटी विभाग के प्रमुख डॉ. श्रीनिवास चव्हाण ने बताया कि यह सभी शिकायतें सीधे तौर पर ऊंची आवाज में हेड फोन के इस्तेमाल से होती हैं। प्रतिदिन जेजे अस्पताल में पांच से दस लोग ऐसी शिकायतें लेकर आ रहे हैं। इनमें अधिकांश लोग आठ घंटे से अधिक समय तक कान में हेडफोन लगाए रखते हैं। इससे इनके कान में खासा तनाव रहता है। और गंदे ईयरपॉड या ईयरफोन के इस्तेमाल से कान में संक्रमण

ईएनटी विभाग के प्रमुख डॉ. श्रीनिवास चव्हाण ने बताया कि यह सभी शिकायतें सीधे तौर पर ऊंची आवाज में हेड फोन के इस्तेमाल से होती हैं। प्रतिदिन जेजे अस्पताल में पांच से दस लोग ऐसी शिकायतें लेकर आ रहे हैं।

भी हो सकता है। ईयर फोन का इस्तेमाल लगातार तेज आवाज के साथ करने से भी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। इससे सुनने की क्षमता में कमी आ सकती है।

डॉ. सेंट जार्ज अस्पताल के ईएनटी विभाग के प्रमुख डॉ. राहुल कुलकर्णी ने बताया कि सिर्फ कामकाजी लोगों को ही कान संबंधी दिक्कतें नहीं आ रही हैं। बल्कि ऑनलाइन पढ़ाई करने वाले स्कूली छात्र भी इन्हीं परेशानियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को हेड फोन का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर वह लैपटॉप या पसर्नल कंप्यूटर पर ऑनलाइन क्लास में शामिल हो रहे हैं तो इन उपकरणों की

ठाणे में तीन दोस्तों की मौत-एक साथ घर से गायब हुए तीन दोस्तों के शव एक ही पेड़ पर फंदे से लटका मिला

मुंबई से सटे ठाणे जिले के शहापुर तालुका के चांदे गांव के पास जंगल से गायब हुए तीन लोगों के शव ग्रामीण पुलिस ने शुक्रवार को बरामद किये हैं। तीनों के शव महुए के पेड़ से एक साथ लटके हुए थे। माना जा रहा है कि तीनों की हत्या कर उन्हें टांगा गया है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह स्पष्ट होगा कि यह हत्या है या आत्महत्या। तीनों के शव सड़ चुके थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक चरवाहे ने तीनों शवों को देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। तीनों दोस्तों की पहचान नितिन भर्रे(35), महेंद्र धुबेले(28) और मुकेश घावत(22) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि धुबेले और घावत रिश्ते में चाचा और भतीजे हैं और दोनों चांदे गांव में रहते थे, जबकि घावत शाहपुर के रहने वाले थे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट होगा कि यह हत्या है या आत्महत्या।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट होगा कि यह हत्या है या आत्महत्या।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, तीनों 14 नवंबर से घर से गायब थे। उनके परिजनों ने शाहपुर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी।

ऐसे हुआ मामला का खुलासा

यह घटना शुक्रवार सुबह तब सामने आई जब जंगल से गुजर रहे एक चरवाहे ने उनके शव को पेड़ से लटका देखा और स्थानीय लोगों को इसकी सूचना दी। इनमें से किसी ने फोन कर शाहपुर पुलिस को इसकी सूचना दी। घटनास्थल का दौरा करने के बाद पुलिस ने तीनों को पेड़ से सड़ी-गली लाश लटके हुए पाया।

रिसर्च मीडिया ग्रुप ने बड़ी सोच और छोटी शुरुवात के बाद बड़ी कामयाबी के साथ 29 वर्ष पूरे किये

छोटी शुरुआत से आज रिसर्च मीडिया ग्रुप (आरएमजी) एक बड़ा व्यापार समूह बना

रिसर्च मीडिया ग्रुप (आरएमजी) एक बड़ा व्यापार समूह है जो बहुत ही स्पष्ट धारणा रखता है कि एक व्यवसाय शुरू करना और इसे अनुकूल और प्रतिकूल आर्थिक परिदृश्य दोनों में आधार बनाना। अच्छे सीएमडी का हॉल मार्क केवल योग्यता या अनुभव नहीं है, बल्कि लोगों से निपटने के लिए उनका काम है।

आरएमजी के प्रवर्तक और संस्थापक चैतन्य जांगा एक ऐसे ही प्रेरक उद्यमी हैं, जिन्होंने 1992 में एक प्रमुख कंपनी आरएमजी की स्थापना की थी। पिछले कुछ वर्षों में, समूह ने कई मील के पत्थर पार कर लिए हैं और मीडिया कार्यों में अग्रणी स्थान बनाए रखा है। आरएमजी, ने कई क्षेत्रों में विविधता ला दी है और यह विभिन्न व्यावसायिक लाइनों में व्यापक पहुंच के साथ बड़ा समूह है।

एमबीए पोस्ट ग्रेजुएट जंगा, आंध्र प्रदेश के फिल्म एंड टेलीविजन प्रमोशन काउंसिल के अध्यक्ष और स्टेट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष भी हैं। कंपनी एक प्रभावी ब्रांडिंग रणनीति तेजी से प्रतिस्पर्धी बाजारों में एक बड़ी बढ़त देती है।

चैतन्य जंगा ने कहा,"आरएमजी ने इन वर्षों की यात्रा पर हमें गर्व और खुशी है कि हम इस प्रतिस्स्पर्धा में आगे बढ़ रहे है। हमारे ग्राहकों की संतुष्टि ही मुख्य उद्देश्य है जो हमें भीड़ के बीच शीर्ष पर रखते हैं। हमने एक एकीकृत और भरोसेमंद दृष्टिकोण के साथ विभिन्न क्षेत्रों में विविधता बनाई। हमारी कंपनी ने रिसर्च मिडिया, सेलिब्रेटी हब, मैजिक मंत्रा, न्यू वेव एडवरटाइजिंग, रिसर्च मिडिया इंटरटेनमेंट,वर्ल्ड फैशन मेनिया, पिंक पीआर लाइन, रियल अपडेट, हरिका प्रिंटिंग एंड टेक्नोलोजी इत्यादि फर्मों के बिज़नेस को नया आयाम दिया है। पिछले 29 वर्षों में करीब ७० हज़ार सेलिब्रिटी व मॉडलों के लिए एक रास्ता और एक मंच दिया है। आरएमजी के तीन स्तंभ हैं: "मैजिक मंत्र", "रेड ब्रांडिंग" और "फ्यूचर -3" ये तीनों कंपनियां मीडिया और ग्लैमर के क्षेत्र में चमक रही हैं। यह लगभग तीन दशकों की यात्रा है, जिसके दौरान आरएमजी कई क्षेत्रों में पहचान बनाया और एक समूह के रूप में उभरा।अब दुबई और यूएई सहित 48 देशों में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करने की योजना तैयार की है जिसमें हॉलीवुड और टॉलीवुड हस्तियां बड़ी संख्या में भाग लेंगी।"मैजिक मंत्र" भी 'यूनिवर्सल ब्रदरहुड' के प्रचार के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। "आरएमजी की "मिस सेलिब्रिटी (अंतर्राष्ट्रीय) 2021" जल्द ही मुंबई या नई दिल्ली में बड़े पैमाने पर आयोजित की जाएगी। दुनिया भर के 40 देशों की अंतर्राष्ट्रीय हस्तियां एक मंच पर आएंगी।

आरएमजी के कार्यकारी निदेशक पीवीएस वर्मा ने कहा, "हम कॉर्पोरेट में विशेषज्ञ हैं। हमलोग हर तरह के कार्यक्रमों व फंड राइजर इवेंट्स, शिलान्यास समारोह, सरकारी स्तर के कार्यक्रम, टीवी और फिल्मसमारोहों इत्यादि को आयोजित करते है।आरएमजी ने पिछले तीन दशकों में दुनिया भर में 18000 से अधिक ग्राहकों को अपना सहयोग दिया है। अब हमारे नए पैन इंडिया उपक्रम "रेड ब्रांडिंग" के साथ, हम एमएसएमइ और कॉर्पोरेट सेक्टरों से तीस हज़ार से अधिक ग्राहकों को टारगेट कर रहे हैं।

इस मामले के बारे में, कंपनी के सीईओ की हरि लीला प्रसाद ने कहा, 'यह युवा और प्रतिभाशाली लोगों के लिए अपना कैरियर बनाने का एक सुनहरा अवसर है।पिछले तीन दशकों में हमसे जुड़े तमाम लोगों का आभार व्यक्त करते है, जिनकी वजह से हम इस मुकाम पर पहुंचे।'

अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर एक साथ टकराईं 6 गाड़ियां, कार ड्राइवर के अचानक ब्रेक लगाने से हुआ हादसा

अहमदाबाद। गुजरात में अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर वलसाड के नजदीक भयंकर हादसा हुआ। हाईवे के ब्रिज से गुजरती कार के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दीं, जिसके चलते उसके पीछे आने वाली 6 कारें आपस में टकराईं।

वहीं, एक बाइक सवार भी उनकी चपेट में आ गया। इस हादसे से अफरा-तफरी मच गई। ट्रैफिक जाम हो गया। बताया जा रहा है कि, हादसे में 5 लोग जख्मी हुए हैं। कई कारें क्षतिग्रस्त हुई हैं। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने हाईवे पर वाहनों की आवाजाही दुरुस्त कराई। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, छह कारों के एक साथ टकराने का यह हादसा अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर वलसाड के नजदीक नदी पर आए पुल पर से गुजरती एक कार की वजह से हुआ। जहां एक कार अचानक रुक गई थी, तो उसके पीछे से दौड़ी चली आ रहीं 6 कारें एक-दूसरे से टकराईं। उन सभी कारों में से एक कार हाईवे पर जा रही एक बाइक के साथ भी टकराई थी। कारों में सवार लोगों को चोटें आईं। वहीं, बाइक सवार भी चपेट में आ गया। 5 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इससे पहले वलसाड के ही नजदीक जानलेवा हादसे हुए थे। गुजरात में ही सूरत से हादसों के बारे में चौंकाने वाली बात सामने आई है। यहां दिवाली के एक हफ्ते के वैकेशन में 550 हादसे सामने आए हैं। इन हादसों में 25 लोगों की जान चली गई। वहीं, 150 से ज्यादा घायलों को अस्पतालों में पहुंचाया गया। पुलिस, सिविल हॉस्पिटल, स्मीमेर हॉस्पिटल और एंबुलेंस-108 सर्विस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 550 हादसों में से 360 हादसे शहरी इलाके में हुए और 192 ग्रामीण इलाकों में हुए हैं।

गुजरात से ठग गिरफ्तार-रेलवे में नौकरी लगवाने का वादा कर 23 लोगों से एक करोड़ ठगे थे

नवी मुंबई पुलिस ने गुजरात के वडोदरा से एक व्यक्ति को नौकरी दिलाने के नाम पर 23 लोगों संग 1 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसने रेलवे में नौकरी दिलाने का वादा देते हुए लोगों संग ठगी की थी। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने ज्यादातर झारखंड और गुजरात के युवाओं संग धोखा किया था। पुलिस उपायुक्त(अपराध) प्रवीण पाटिल ने बताया कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच टीम ने दिलीप कुमार जगदीश प्रसाद सिन्हा को गिरफ्तार किया है। उसपर आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत केस दर्ज किया गया है। बता दें कि यह मामला साल 2018 का है और आरोपी के खिलाफ खारघर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता में से एक ने कहा कि साल 2018 में सिन्हा ने उनसे वादा किया था कि रेलवे में नौकरी दिलाएगा। इसके लिए उसने सभी से(23 लोगों से) 4 से 5 लाख के बीच रुपए लिए थे। ऐसे लेकर आरोपी अपन फोन बंद कर फरार हो गया था। कुछ दिनों पहले एक मुखबिर के माध्यम से उसके वडोदरा में होने का पता चला और उसे अरेस्ट किया गया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।